।। श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 12 अंक - 352

रायसेन
गुरुवार, 19 जून 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

खास बात

संकट में ही धैर्य और धर्म की परीक्षा होती है।

- प्रेमचन्द

241 होम-स्टे का किया वर्चुअल लोकार्पण

आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम ग्रामीण पर्यटन-मुख्यमंत्री

भोपाल ■ विप्र

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ग्रामीण पर्यटन आत्मनिर्भरता और आत्म गौरव का प्रभावी माध्यम है। ग्राम स्तर पर पर्यटन गतिविधियों से जहां युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक उन्नति के अवसर उपलब्ध होते हैं, वहीं पर्यटन गतिविधियां, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, तीज-त्योहार-पर्व और खानपान को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में भी सहायक होती हैं। प्रदेश में विकसित हो रहे होम-स्टे भारतीय सांस्कृतिक परंपरा के अतिथि देवो भवः के भाव को चरितार्थ करने का माध्यम बन रहे हैं। होम-स्टे संचालनकर्ता और राज्य सरकार का यह प्रयास है कि प्रदेश में आने वाले सभी अतिथि प्रदेश के बारे में सकारात्मक छवि और अच्छी स्मृतियां साथ लेकर जाएं। पर्यटन के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य विभाग आदि समन्वित रूप से इस दिशा में कार्य कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में तीर्थाटन की परंपरा सदियों से रही है। दुनिया के लोग शौक और आनंद के लिए घर से निकलते हैं,जहां वे सनातन सांस्कृतिक मूल्यों को आत्मसात करते हुए अन्य प्रदेशों की विविध जीवनशैली और परंपराओं से परिचित होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय मूल्यों के अनुरूप परस्पर विश्वास की भावना को बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण रंग पर्यटन संग राज्य स्तरीय उत्सव को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। उन्होंने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण पर्यटन पर केंद्रित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से ग्रामीण रंग पर्यटन संग उत्सव के अंतर्गत विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों और संस्थाओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही चाक पर मिट्टी की कलाकृतियां भी बनाई।

रिस्पांसिबल टूरिज्म मिशन के अंतर्गत माइक्रो साइट की ई-लॉन्चिंग: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण पर्यटन और होम स्टेस को अधिक व्यापकता और होम स्टे की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा प्रदान करने के लिए रिस्पांसिबल टूरिज्म मिशन के अंतर्गत माइक्रो साइट की ई-लॉन्चिंग की गई। रिस्पांसिबल टूरिज्म मिशन वेबसाइट पर्यटन ग्रामों की डिजिटल झलक है, जहां पर्यटक ग्रामीण जीवन के विविध अनुभवों का आनंद ले सकते हैं। साथ ही प्रदेश के विभिन्न गांवों में निर्मित 241 होम-स्टे का वर्चुअल लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने होम-स्टे संचालकों से किया संवाद: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्रामीण पर्यटन परियोजना के अंतर्गत होम स्टे निर्माण के लक्ष्य की पूर्ति करने वाले 10 जिलों के कलेक्टर्स को सम्मानित किया। इसमें नर्मदापुरम की कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा , आगर मालवा के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, छतरपुर के कलेक्टर पार्थ जायसवाल, छिंदवाड़ा के कलेक्टर शीलेंद्र सिंह, मुरैना के कलेक्टर अंकित अस्थाना, निवाड़ी के कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, पन्ना के कलेक्टर सुरेश कुमार, रीवा के कलेक्टर सुश्री प्रतिभा पाल, सीहोर के कलेक्टर बालागुरु के और सीधी के कलेक्टर एस. सोमवंशी को मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना भी हुई सम्मानित

पर्यटन को बढ़ावा देने हुए एमओयू

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की गरिमामयी उपस्थित में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने और आजीविका के अवसर सृजित के लिए 4 प्रमुख संस्थाओं के साथ एमओयू किए गए। ग्रामीण क्षेत्र में विकास, महिलाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने तथा होमस्टे क्लस्टर और पर्यटक ग्रामों में पर्यटन अधोसंरचना में सुधार के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड (एमपीटीबी) और दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट (पतंजलि) के बीच एमओयू हुआ। एमपीटीबी की ओर से प्रबंध संचालक श्री शुक्ला एवं दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट (पतंजलि) की ओर से वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजेश सक्सेना व डॉ. दीपिका भार्गव ने हस्ताक्षर किए। 61 पर्यटक गांवों में ऊर्जा दक्ष एलईडी या सौर चलित स्ट्रीट लाइट्स की स्थापना के लिए एमपीटीबी और सिग्निफाई इनोवेशंस इंडिया लिमिटेड के बीच एमओयू हुआ।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बड़ा हादसा, खाई में गिरने से दो की मौत, 3 हुए घायल

केदारनाथ। उत्तराखंड के केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बुधवार को एक दुखद घटना सामने आई है। गौरीकुंड और रामबाड़ा के बीच जंगल चट्टी में पोल नंबर 153 के पास कुछ यात्री खाई में गिर गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य घायल बताए जा रहे हैं। इसके अलावा, एक व्यक्ति अभी भी लापता है, जिसकी तलाश जारी है। यह घटना आज सुबह करीब 12 बजे हुई। जानकारी मिलते ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। बताया जा रहा है कि टीम ने अब तक दो अज्ञात मृतकों के शव और एक घायल व्यक्ति को खाई से निकालकर गौरीकुंड भेज दिया है। लापता व्यक्ति और अन्य घायलों को निकालने के लिए रेस्क्यू टीम खाई के अंदर मौजूद है।

अंतमना उवाच

तरुण सागरम तीर्थ अहिंसा संस्कार पद यात्रा : श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र, लाल मंदिर, अपोजिट रेड फ़ोर्ट। अंतर्मना ने कहा कि अगर भारत की खूबसूरती देखना है तो आप दिल्ली के चांदनी चौक में आइये! यहां समस्त धर्मो का समावेश है। यहां हिन्दू जैन मुस्लिम सिख ईसाई सभी धर्म स्थल एक साथ बने हुए है। दिल्ली में लाल किला के सामने तेज धूप, भरी दोपहरी और भीषण गर्मी में अंतर्मना ने किया सामायिक। इस अवसर पर संघ का फोटो...

जब तक खुद का मन कैकेयी ना हो.. तब तक कोई मंथरा, तुम्हारे कान नहीं भर सकती है..!

*अक्सर जो जितने बड़े कद-पद पर होते हैं, वो उतने ही कान के कच्चे और संदेह से भरे होते हैं। **ज्यादा संदेह और जरूरत से ज्यादा टोका-टाकी हमारे रिश्तों और अपनों को दूर कर देती है।** क्योंकि संसार में जीना है और साथ रहना है तो विश्वास और भरोसा तो करना ही पड़ेगा। विश्वास करना बुरा नहीं, अपितु अति विश्वास या अंध विश्वास करना घातक हो सकता है। **बिना विश्वास के जीना ऐसा ही है जैसे बिन तेल की बाती, बिन पानी के मछली।***

*यदि आपको कहीं जाना है तो- ड्राइवर पर, बाल कटवाना है तो- नाई पर, वस्त्र सिलवाना है तो- दर्जी पर, भोजन करना है तो- हलवाई पर भरोसा करना ही पड़ेगा। अन्यथः जी नहीं पाओगे। **आज का माहौल ऐसा बन गया है कि हम किस पर विश्वास करें, किस पर नहीं।** पीठ और छाती के दोनों ओर कातिल खड़े हैं। **पहले के लोग पीछे से वार करते थे, आज के लोग देखते ही देखते सामने से आपको निपटा देते हैं।***

मैं जानता हूं** - एक बेटी को जिसने अपने प्यार के स्वार्थ में पिता के चाकू से अनेक टुकड़े करके कमोड में फ्लश कर दिया। एक पिता का सबसे भरोसेमंद बेटा, अपने दोस्त को पैसे देकर पिता को गोलियों से छलनी करवा देता है। **किस पर विश्वास करें..?

***सिर्फ दो पर ही भरोसा करो- एक खुद पर और दूसरा खुदा पर (यानि परमात्मा पर)।** यदि इन दो पर पूरा भरोसा किया तो दूसरों पर संदेह और विश्वास की समस्या आपोआप मिट जायेगी। **हमेशा संदेह न करें, जिस पर विश्वास किया है। यदि विश्वास टूट गया तो क्या होगा..?** भरोसे में धोखा मिल जाये पर संदेह करेंगे तो अपने व्यक्ति का विश्वास भी खो देंगे। इसलिए अपने आप पर भरोसा करो और मन को हल्का करके जीवन जियो। क्योंकि -*

रंग छोड़ते कपड़े और रंग बदलते लोग कितने भी ब्रांडेड हो, आखिर दिल और मन से उतर ही जाते हैं...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

ट्रंप ने पीएम मोदी से पूछा कि क्या वह कनाडा से लौटने पर अमेरिका आ सकते हैं? जताई असमर्थता

ट्रंप से बोले पीएम मोदी-भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न कभी करेगा

ऑपरेशन सिंदूर पर अमरीका को दो-टूक

नईदिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की। उन्होंने साफ किया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के साथ संघर्ष समाप्त करने में किसी मध्यस्थता या व्यापार समझौते की कोई भूमिका नहीं थी। कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के तुरंत बाद पीएम मोदी ने ट्रंप से बात की। ट्रंप ने पीएम मोदी से पूछा कि क्या वह कनाडा से लौटने पर अमेरिका आ सकते हैं? प्रधानमंत्री ने पूर्व कार्यक्रमों का हवाला देते हुए ऐसा करने में असमर्थता जताई।

कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मलेन को बीच में ही छोड़कर अमेरिका लौटे डोनाल्ड ट्रंप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बात की है। दोनों के बीच करीब 35 मिनट तक बातचीत हुई है। इस दौरान आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और ऑपरेशन सिंदूर पर बात हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने साफ किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम पड़ोसी मुल्क के आह्वान के बाद दोनों देशों की आपसी सहमति से ही हुआ। इसमें किसी की भी मध्यस्थता नहीं थी और न ही किसी ट्रेड डील पर बात हुई थी। बातचीत ऐसे वक्त हुई है, जब पीएम मोदी आज जी7 में हिस्सा लेने के बाद कनाडा से क्रोएशिया रवाना हुए हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की मुलाकात तय थी। राष्ट्रपति ट्रंप को जल्दी अमेरिका लौटना पड़ा, जिसके कारण यह मुलाकात नहीं हो सकी। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप के अनुरोध पर आज दोनों नेताओं ने फोन पर बात की। उन्होंने करीब 35 मिनट तक बात की। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी से फोन पर बात कर संवेदना जताई थी और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में समर्थन भी जताया था। उसके बाद यह पहली बार था, जब वे बात कर रहे थे। इसलिए पीएम मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर पर राष्ट्रपति ट्रंप से विस्तार से बात की।

विक्रम मिस्री ने बताया, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से साफ-साफ कहा कि इस पूरे घटनाक्रम के दौरान कभी भी और किसी भी स्तर पर भारत-अमेरिका ट्रेड डील या भारत-पाकिस्तान मध्यस्थता जैसे विषयों पर बात नहीं हुई थी। सैन्य कार्रवाई रोकने के बात सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच मौजूद चैनल के जरिए हुई थी। पाकिस्तान के आग्रह के बाद ही यह बातचीत हुई थी।

भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न करता है और न ही कभी करेगा। इस विषय पर भारत में पूर्ण रूप से राजनीतिक एकमत है। भारत आतंकवाद को अब प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि युद्ध के रूप में ही देखता है। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।
- राष्ट्रपति ट्रंप से बोले पीएम मोदी

ट्रंप से बोले - भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है

विक्रम मिस्री ने आगे बताया, पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत ने न कभी मध्यस्थता स्वीकार की थी, न करता है और न ही कभी करेगा। इस विषय पर भारत में पूर्ण रूप से राजनीतिक एकमत है। ट्रंप ने पीएम मोदी की ओर से बताई गई बातों को समझा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई के प्रति समर्थन व्यक्त किया। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद को अब प्रॉक्सी वॉर नहीं, बल्कि युद्ध के रूप में ही देखता है। भारत का ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

क्रोएशिया में भारतीय समुदाय से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बुधवार को क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब पहुंचे, यह यात्रा किसी भारतीय प्रधानमंत्री की क्रोएशिया में पहली आधिकारिक यात्रा है।

जाग्रेब पीएम मोदी की तीन देशों की यात्रा का अंतिम पड़ाव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को क्रोएशिया की राजधानी जाग्रेब पहुंचने। यहां पर उनका शानदार स्वागत किया गया। उन्होंने भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात की। यह क्रोएशिया की उनकी पहली यात्रा है और तीन देशों के दौरे का अंतिम चरण है। यात्रा से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा मैं क्रोएशिया गणराज्य की अपनी यात्रा और राष्ट्रपति जोरान मिलानोविच तथा प्रधानमंत्री आंद्रेज प्लेंकोविच के साथ बैठकों की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज बड़वानी में

उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को राज्यपाल और सीएम करेंगे सम्मानित

भोपाल ■ विप्र

राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन मिशन-2047 के अंतर्गत विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को बड़वानी में ग्राम पंचायत तलून के खेल स्टेडियम में राज्य स्तरीय कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सहित अन्य मंत्रीगण कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अवसर पर कई नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा जिनमें जेनेटिक काउंसलिंग जागरूकता वीडियो और प्रभावित गर्भवती महिलाओं के लिए व्यापक दिशा निर्देश और मॉड्यूल शामिल हैं। लक्षित आयु वर्ग की शत-प्रतिशत स्क्रीनिंग पूर्ण करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के एनसीसी निदेशॉलय के सहयोग से सिकल सेल मित्र पहल की शुरुआत भी की जायेगी। सिकल सेल मित्र युवा आबादी में जागरूकता के लिए सेवा प्रदाताओं के बीच लिंक के रूप में कार्य करेंगे।

सिकल सेल दिवस पर संपूर्ण प्रदेश में सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता लाने के लिए गतिविधियाँ आयोजित की जायेंगी। सिकल सेल प्रभावित 33 जिलों में विशेष परामर्श शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ आनुवांशिक परामर्श, रोग प्रबंधन, भावी पीढ़ी के लिए संभावनाओं और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। उप-केन्द्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्वास्थ्य संस्थानों में विशेष शिविर लगाकर रोगियों की पहचान, स्क्रीनिंग और परिवार के अन्य सदस्यों की भी जांच की जायेगी।

सिकल सेल रोगियों और उनकी देखभाल कर्ताओं को पेन क्राइसिस जैसी तीव्र स्थितियों में प्रबंधन के तरीकों से अवगत कराया जाएगा। प्रभावित जिले में विशेष रूप से प्रभावित जनजातीय एवं ग्रामीण पंचायतों में स्क्रीनिंग और परामर्श के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य स्तर पर विकसित जेनेटिक कॉउंसलिंग कार्ड का वितरण किया जाएगा, जिससे लोगों को आनुवांशिक जानकारी समझने में सुविधा होगी।

दिव्यांग योजनाओं और वित्तीय सहायता से सिकल-सेल रोगियों को जोड़ने की प्रक्रिया सरल करने के लिए यूडीआईडी कार्ड निर्माण के लिए मेगा शिविर भी लगाए जाएंगे। नेशनल सिकल सेल पोर्टल के माध्यम से स्क्रीनिंग एवं उपचार की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है।

हमलों से ईरान में 600 की मौत, सबसे बड़ा खजाना तबाह

राष्ट्रपति ट्रंप का बड़ा दावा | ईरान अब बातचीत चाहता है, लेकिन बहुत देर हो चुकी है

वाशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है कि ईरान अब बातचीत करना चाहता है, लेकिन इसके साथ उन्होंने ये भी कहा कि- बातचीत के लिए बहुत देर हो चुकी है। इससे पहले ईरान के सर्वोच नेता अयातुल्ला अली खामनेई ने कहा था कि ईरान आत्मसमर्पण नहीं करेगा। अब ट्रंप के इस बयान से ये साफ दिख रहा है कि अमेरिका की नीति अब नरम नहीं रही।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को दावा किया कि ईरान अब अमेरिका से बातचीत करना चाहता है।

हालांकि ट्रंप ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा, मैंने पहले ही कह दिया था कि अब बहुत देर हो चुकी है। ट्रंप का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और इस्त्राइल के बीच सैन्य तनाव लगातार बढ़ रहा है और अमेरिका की भूमिका को लेकर दुनिया भर में अटकलें लगाई जा रही हैं।

अमेरिका के दखल से बिगड़ेंगे हालात

ईरान और इस्त्राइल के बीच बीते पांच दिन से संघर्ष जारी है। लगातार छठवें दिन दोनों पुराने दुश्मनों के बीच संघर्ष और तेज हो गया। बुधवार सुबह कुछ घंटों में ही इस्त्राइल पर ईरानी मिसाइलों के दो हमले हुए। वहीं ईरान में इस्त्राइली हमलों के चलते अब तक 600 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण करने की बात कही है। रूस और संयुक्त अरब अमीरात ने बुधवार को इस्त्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष को तुरंत खत्म करने और तेहरान के परमाणु कार्यक्रम के मुद्दे को हल करने के लिए राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयासों को तेज करने की बात कही।

इंडोनेशिया का माउंट लाकी लाकी ज्वालामुखी फटा

जकार्ता। इंडोनेशिया के माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी में मौजूद ज्वालामुखी में बुधवार को एक बार फिर जोरदार विस्फोट हुआ। इससे धुआं और राख का गुबार उठा। मंगलवार शाम से बुधवार दोपहर तक कई विस्फोट हुए। मंगलवार दोपहर हुए एक बड़े विस्फोट में राख और धुएं का गुबार 10 किमी की ऊंचाई तक पहुंच गया। यह देखने में मशरूम जैसा लग रहा था। इसे 150 किमी दूर तक देखा जा सकता था। इस विस्फोट के चलते गांवों से लोगों को निकाला गया और कई फ्लाइटें रद्द करनी पड़ीं। इनमें फेमस टूरिस्ट स्पॉट बाली के लिए आने-जाने वाली उड़ानें भी शामिल हैं

केन्द्र सरकार ने लिया फैसला, अब जल्द बनाएंगे नियम

अब पूरे देश में भारतीय मानक समय पर चलेंगी सभी घड़ियां

नईदिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि अब सभी कानूनी, व्यावसायिक, डिजिटल और प्रशासनिक कार्यों में भारतीय मानक समय का उपयोग अनिवार्य किया जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को दी। उन्होंने कहा कि इस पहल से डिजिटल लेन-देन अधिक सुरक्षित होंगे, बिजली-पानी जैसी सेवाओं में बिलिंग सटीक होगी, साइबर अपराध के खतरे कम होंगे और यातायात व संचार में समय की एकरूपता बनी रहेगी। अभी कई प्राणाली विदेशी समय स्रोतों पर निर्भर हैं। आईएसटी को अनिवार्य बनाने के लिए सरकार जल्द ही %विधिक मापविज्ञान (भारतीय मानक समय) नियम, 2025% अधिसूचित करेगी। इन नियमों का मसौदा जनवरी 2025 में जनता और हितधारकों की राय के लिए जारी किया गया था।

जोशी ने कहा, हम जल्द ही इन नियमों को अधिसूचित करने जा रहे हैं। अब हम 'एक देश, एक समय' की दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि आज के डाटा आधारित युग में अगर घड़ियां एक जैसी न हों तो डिजिटल गड़बड़ियां, जांच में दिक्कतें और नेटवर्क की कमजोरियां पैदा होती हैं। आज कई प्रणाली जीपीएस जैसे विदेशी समय स्त्रोत पर आधारित हैं, जिससे साइबर हमले, मेल न खाने और समय की सही पहचान न हो पाने का खतरा बना रहता है।

मंत्री ने कहा कि यह परियोजना लंबे समय से चली आ रही आईएसटी को आधिकारिक और कानूनी रूप से लागू करने की कमी को पूरा करेगा। उन्होंने बताया कि 100 से ज्यादा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें टेलीकॉम, बैंकिंग, रेलवे जैसे क्षेत्र शामिल थे। सरकारी बयान में कहा गया कि यह पहल आम लोगों के लिए डिजिटल सुरक्षा, सही बिलिंग, कम साइबर खतरे और सेवा में पारदर्शिता को सुनिश्चित करेगी।

15 अगस्त से तीन हजार में बनेगा वार्षिक टोल पास

भोपाल ■ विप्र

भारतीय जनता पार्टी की सरकार द्वारा नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान करने तथा देश भर में टोल व्यवस्था को अधिक पारदर्शी एवं सुविधाजनक बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है। जिसमें आगामी 15 अगस्त 2025 से फास्ट टैग आधारित वार्षिक पास 3000 रूपये में जारी करने का निर्णय लिया गया है। इस ऐतिहासिक निर्णय हेतु खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का आभार एवं धन्यवाद प्रेषित करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक निर्णय है जिसमें हर वाहन चालक के लिए सुविधा मिलेगी। भारतीय जनता पार्टी के निर्णय एवं योजनाएं जनता के हित के लिए होते है।

संक्षिप्त समाचार

बानापुरा में दुकानों के सामने अवैध रूप से अतिक्रमण कर खड़े हाथ ठेले वालों को हटाने की मांग

सिवनी मालवा। शहर की उपनगरी बानापुरा में हाथ ठेले वालों से परेशान होकर बस स्टैंड काम्प्लेक्स के व्यापारियों ने जनसुनवाई में आवेदन देकर दुकानों के सामने खड़े हाथ ठेले वालों को हटाने की मांग की। नगर पालिका काम्प्लेक्स के व्यापारी हेमंत सराठे ने जानकारी देते हुए बताया कि हम सभी दुकानदार नए बस स्टैंड बानापुरा में अपनी दुकानें संचालित करते है। हमारी दुकानों के सामने हाथ ठेले वाले अपने ठेले खड़े कर लेते है। हम मना करते है तो हमारे साथ बतजमीजी और गाली गलौच करते हुए एससीएसटी एक्ट में रिपोर्ट करने की धमकी देते है और कहते हैं कि हमारा कोई कुछ नही बिगाड़ सकता हैं। जबकि नगर पालिका ने इनके ठेले लगाने के लिए अलग जगह देकर लाइन खींची थी, पर एक भी हाथ ठेला वाले वहा ठेला नहीं लगाता हैं। हाथ ठेलों की आड़ होने के चलते हमारी दुकानों पर ग्राहक नहीं आते हैं। इस सम्बंध में कई बार नगर पालिका को शिकायत कर चुके है पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसलिए हमें जनसुनवाई में आना पड़ा। दुकानदारों ने उचित कार्यवाही करने की मांग की।

नुक्कड़ नाटक कर पेंशन और नशा मुक्ति योजना का दिया संदेश

खंडवा। जिले के खालवा ब्लाक के रोशनी, सेमला, छावड़ी, जामन्या सरसरी, लंगोटी गांवों में बुधवार को नशा मुक्ति का संदेश देते हुए नुक्कड़ नाटक किया गया। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय मध्यप्रदेश के लिए राष्ट्रीय सहायता कार्यक्रम की पेंशन योजना, नशामुक्ति योजना के प्रचार-प्रसार के लिए गांवों में कस्तूरी शैक्षणिक जनहितार्थ समिति के विजेंद्र शिंदे, आनंद सागर, माया ओसवाल, अर्चना वर्मा, रवि शर्मा आदि कलाकारों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी गई। नाटक का शीर्षक एक नई पहल नशा मुक्ति की ओर रखा गया था। साथ ही सामाजिक न्याय विभाग प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजना जैसे विधवा एवं वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन योजना का प्रचार प्रसार टेम्पलेट वितरण किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि के साथ ग्रामीणजन मौजूद थे।

ग्वालियर हाईकोर्ट ने सुनाया लिव-इन रिलेशन पर फैसला

ग्वालियर। मप्र हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने लिव-इन-रिलेशन के मामले में अहम फैसला सुनाया है। पीठ ने एक जनहित याचिका का निराकरण करते हुए कहा है कि युवती यदि वयस्क है तो वह अपनी मर्जी से जहां जाना चाहे जा सकती है। न्यायालय ने इस संबंध में संबंधित पक्षों के स्पष्टीकरण के बाद उसे स्वतंत्र करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह मामला हस्तक्षेप योग्य नहीं है। युवती के बारे में पता लगा है कि वह वन स्टॉप सेंटर में रह रही है। युवती को वन स्टॉप सेंटर में रखने के खिलाफ लगाई गई याचिका में याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि उसके वन स्टॉप सेंटर में रहने वाली युवती के साथ भावनात्मक संबंध हैं।

सोनम के मां-भाई से शिलॉन्ग पुलिस की पूछताछ

सोनम ने एक नंबर पर 119 बार बात की, यूपी में आरोपी राज की दादी की मौत

इंदौर ■ निसं

ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी मर्डर केस में नई जानकारी सामने आई है। पता चला है कि सोनम दो मोबाइल नंबरों का उपयोग करती थी। कॉल डिटेल के मुताबिक, एक नंबर पर उसकी मार्च माह के 25 दिन में 119 बार बातचीत हुई है। कई बार लंबी बातचीत भी की गई है। हालांकि, शिलॉन्ग पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पुलिस की एक टीम बुधवार दोपहर करीब 1.34 बजे इंदौर में सोनम के घर पहुंची। तीन पुलिस अधिकारियों ने उसकी मां और भाई गोविंद से बंद कमरे में पूछताछ की। सोनम के भाई गोविंद बताया कि- पुलिस ने सोनम के व्यवहार के बारे में पूछताछ की। सूटकेस में रखा उसका सामान भी खोलकर देखा। केस में एक नया नाम सामने आने के सवाल पर गोविंद ने कहा- इसका मुझे आइडिया नहीं है। बता दें, यही पुलिस अधिकारी कल राजा रघुवंशी के घर भी गए थे।

उधर, यूपी के फतेहपुर जिले में राजा हत्याकांड के आरोपी राज कुशवाह की

दादी का हार्ट अटैक से निधन हो गया। परिवार के मुताबिक अंतिम समय तक वह अपने पोते राज को बेकसूर बताती रही।

इंदौर के रेस्टोरेंट में रची हत्या की साजिश: पुलिस का मानना है कि सोनम ने शादी से करीब एक महीने पहले ही राजा को मारने की प्लानिंग शुरू कर दी थी। ऐसा इसलिए माना जा रहा है क्योंकि आरोपी सोनम, राज और विशाल की अप्रैल में ही मुलाकात हो चुकी थी।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इंदौर के टीसीएस चौराहे के पीछे स्थित अवंती रेस्टोरेंट के मालिक नरेंद्र निमोनकर ने पूछताछ में यह जानकारी दी है। निमोनकर ने बताया कि सोनम, राज और विशाल अप्रैल में उनके रेस्टोरेंट में एक-दो बार आए थे। उनकी क्या बातचीत हुई, यह उन्हें नहीं पता। तारीख भी याद नहीं है। रेस्टोरेंट के सीसीटीवी में वे रिकॉर्डिंग 10 दिन से ज्यादा नहीं रखते।

सोनम की सगाई राजा से फरवरी में हुई थी। शादी 11 मई को हुई थी। शादी के लगभग 15 दिन पहले ही राज और सोनम ने मिलकर ये तय कर लिया था कि राजा को रास्ते से हटाकर वे फिर शादी कर लेंगे।

राजा के घर पहुंची थी शिलॉन्ग पुलिस, पूछताछ की: राजा के भाई विपिन ने बताया की शिलॉन्ग पुलिस उनके घर आई थी। सामान्य पूछताछ की है। उस दौरान मैं, मेरा भाई सचिन और मां साथ ही बैठे थे। पुलिस ने सोनम-राजा की शादी के बारे में पूछताछ की।

सोनम जिस फ्लैट में रुकी, वहां तलाशी लेने पहुंची मेघालय पुलिस

राजा हत्याकांड की जांच कर रही मेघालय की SIT मंगलवार को इंदौर आई। यहां वे देवास नाका स्थित उस फ्लैट में पहुंची, जहां सोनम 30 मई से 8 जून तक रुकी थी। फ्लैट को किराए पर देने वाले शिलोम जेम्स ने बताया कि आज फ्लैट की तलाशी ली गई है। राजा रघुवंशी के भाई विपिन ने बताया कि सर्चिंग के दौरान बड़ा भाई सचिन भी मौजूद था। लेकिन उन्हें फ्लैट के बाहर ही रोक दिया गया। मेघालय पुलिस और इंदौर क्राइम ब्रांच के करीब 6 सदस्य जांच में शामिल थे। सभी ने फ्लैट की सर्चिंग की। इस दौरान वहां से कुछ बरामद हुआ या नहीं, हमें नहीं बताया है।

शासकीय हायर सेकण्ड्री स्कूल खपरिया में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत

एक दिवसीय रसोईयों का प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित

सिवनी मालवा ■ निसं

शासकीय हायर सेकण्ड्री स्कूल खपरिया में विकासखण्ड स्तरीय रसोईयों का प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जनशिक्षा केन्द्र प्रभारी संकुल प्राचार्य अरविंद दुबे की उपस्थिति में हुआ। जिसमें जनशिक्षा केन्द्र खपरिया,जनशिक्षा केन्द्र चतरखेडा एवं जनशिक्षा केन्द्र बघबाडा के सभी रसोईये उपस्थित हुए।

प्रशिक्षण में उपस्थित बीएसी संतोष कुमार शर्मा एवं कमलेश यादव द्वारा रसोईयों को शासकीय योजना के तहत् शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल के बच्चों को दिये जाने वाले मध्यान्ह भोजन मेन्यु के अनुसार गुणवत्तापूर्ण तथा भोजन पोषक तत्वों भरपूर हो, से संबंधित निर्देश दिये गये तथा प्रशिक्षण में उपस्थित कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी के द्वारा रसोईयों को खाद्य सामग्री के रख-रखाव तथा किचिन की साफ-सफाई रखने तथा बच्चों के स्वास्थ्य संबंधित निर्देश दिये। प्रशिक्षण में उपस्थित 98 रसोईयों एवं कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य परीक्षण डॉ. आदिल खान द्वारा किया गया। तथा इसमें तीनों जनशिक्षा केन्द्रों के जनशिक्षक विजय सिंह राजपूत मनमोहन रघुवंशी एवं साक्षरता प्रभारी हजारी लाल बाथव प्रशिक्षण में उपस्थित रहे। बीएसी संतोष शर्मा एवं मध्यान्ह भोजन प्रभारी मनमोहन रघुवंशी विजय सिंह राजपूत सीएसी में प्रशिक्षण का कार्यक्रम समापन हुआ।

धड़ से जुदा होकर सिर 100 मीटर दूर खेत में पड़ा मिला

रेलवे ट्रैक पर मिला महिला का क्षत-विक्षत शव, नवविवाहिता होने की आशंका

सिवनी मालवा ■ निसं

तहसील के ग्राम पगढाल के पास रेलवे ट्रैक पर मंगलवार को एक महिला का क्षत विक्षत शव है पड़ा मिला । महिला का धड़ रेलवे ट्रैक पर मिला था और उसका सिर ट्रैक से करीब 100 मीटर दूर खेत में पड़ा था।

मृतका के हाथों में मेहंदी और चूड़ियां पहने होने से पुलिस को आशंका है कि वह नवविवाहिता हो सकती है। घटनास्थल के पास खेत में महिला की साड़ी और अन्य कपड़े भी मिले हैं।सूचना मिलते ही शिवपुर पुलिस की डायल 100 टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने जीआरपीएफ और आरपीएफ को भी सूचित किया। आरपीएफ ने दुष्कर्म और हत्या की आशंका जताई है। मामले की जांच के लिए एफएसएल की टीम को बुलाया गया है।

शव के साथ एक बैग भी पड़ा था जिसमें महिला की फोटो भी बरामद हुई है।

झोले में मिली शराब की बोतल- हरदा जीआरपी के जगन्नाथ धुर्वे ने बताया कि युवती का शव अप ट्रैक के खम्बा क्रमांक 697/22 और 697/20 के बीच पड़ा था। वहीं डाउन ट्रैक के पास खेत में सिर पड़ा था। पास ही में बहुत से कपड़े बिखरे पड़े हुए हैं।

एक झोला भी मिला है, जिस पर सूरत की किसी दुकान का पता लिखा हुआ है और एक शराब की बोतल भी मिली , जोकि जलगांव की है। एफएसएल टीम को बुलाया गया है। जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

पुलिस के अनुसार यह घटना सोमवार रात की है। फॉरेंसिक टीम की जांच के बाद ही मामले के अधिक विवरण सामने आ सकेंगे। पुलिस महिला की पहचान और अपराधियों की तलाश में जुटी है।

ग्वालियर में किसान परिवार पर हथियारबंद हमला

ग्वालियर। ग्वालियर के उटीला थाना क्षेत्र में एक किसान परिवार पर हथियारबंद बदमाशों ने हमला कर दिया। घटना मंगलवार दोपहर 12 बजे निडावली गांव में हुई। किसान फतेह सिंह बघेल अपने खेत में ट्रैक्टर से जुताई कर रहे थे। इसी दौरान द्वारिका गंज के सोनू गुर्जर समेत 6 लोग लाठी-डंडे और लाइसेंसी हथियार लेकर वहां पहुंचे। आरोपियों ने पहले गाली-गलौज की। विरोध करने पर उन्होंने फतेह सिंह को लाठी-डंडों और बंदूक के बट से पीटना शुरू कर दिया। पिता को बचाने आए बेटे के साथ भी मारपीट की गई। इस हमले में पिता के सिर में 7 और बेटे के सिर में 6-7 टांके लगे। दोनों के शरीर पर अन्य गंभीर चोटें भी आईं। पीड़ित परिवार जब थाने पहुंचा तो पुलिस ने उनकी शिकायत दर्ज नहीं की और उन्हें वहां से भगा दिया। इसके बाद पीड़ितों ने एसपी कार्यालय जाकर न्याय की गुहार लगाई। एसएसपी ने थाना प्रभारी को मामले की जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

जनप्रतिनिधियों एवं आमजन के साथ बैठकर समस्याओं का किया निराकरण

सिवनी मालवा ■ निसं

ग्राम पंचायत शिवपुर के सभागृह में बिजली विभाग से संबंधित समस्याओं जैसे डी पी बार बार जलना, खराब केवल के कारण विद्युत आपूर्ति में बाधा , स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की बिना अनुमति और अनुपस्थिति में लगाकर जाना, अत्यधिक बिजली बिल की समस्या के समाधान के लिए विभाग के अधिकारी सहायक प्रबंधक नीलेश धुर्वे, प्रबंधक भरत पदराम के साथ जनप्रतिनिधियों एवं आमजन के साथ बैठकर समस्याओं का निराकरण किया एवं प्रयास किया कि आने वाले समय में क्षेत्र में बिजली की स्थिति में सुधार हो सके - वरिष्ठ भाजपा नेता पूर्व जनपद अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह मंडलोई ने इसके अलावा विभाग के उप महाप्रबंधक से मोबाइल पर चर्चा कर बताया कि ग्रामीण क्षेत्र होने के कारण बारिश हमेशा जीव जंतु का भय बना रहता है ।

इस कारण विद्युत आपूर्ति व्यवस्थित और सुचारू रहना चाहिए एवम शिवपुर में पूर्ण प्रशिक्षित कर्मचारी नियुक्त होना चाहिए ; जिसका तुरंत समाधान करने का आश्वासन उच्च अधिकारी ने दिया - विधायक प्रतिनिधि अनिल अग्रवाल ने अधिकारियों को बताया कि विधायक जी की मंशानुसार क्षेत्र में खराब केवल शीघ्र बदले जाना चाहिए ताकि बारिश के कारण आगजनी की घटनाओं से बचा जा सके !! बैठक में मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि अनिल अग्रवाल, सरपंच प्रतिनिधि संदेश यादव, गुरुप्रसाद गुर्जर, नीरज यादव, कमलेश अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, सुशील यादव, राहुल यादव, संतोष साहू, नईम खां, नदीम खान , महिलाए आदि लोग उपस्थित रहे।

शुभम नेपाली गिरोह का भंडाफोड़, तस्करी में बच्चों का इस्तेमाल

जेल से छूटते ही सक्रिय हुआ बदमाश नेपाली, छोटा भाई भी एमडी ड्रग के साथ पकड़ाया

इंदौर ■ निसं

इंदौर के द्वारकापुरी इलाके में ड्रग तस्करी का बड़ा नेटवर्क सामने आया है। रविवार-सोमवार को पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में शुभम नेपाली का नाम सामने आया था। पुलिस शुभम की घेराबंदी कर रही थी, तभी मंगलवार को उसका छोटा भाई रजत यादव उर्फ नेपाली हाथ लग गया। पुलिस ने उसके पास से 12 ग्राम एमडी ड्रग जब्त किया है। वह 8 साल की बच्ची के साथ घूम रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर मुख्य सरगना की तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने रविवार और सोमवार को लोकेश मोरवाल, रितेश उर्फ नेगू, यश वानखेड़े और दीपक बामने को ड्रग के साथ पकड़ा था। उनसे पूछताछ में एक बार फिर शुभम नेपाली का नाम सामने आया है। शुभम पहले भी गैंगवार और नशे के अवैध कारोबार में जेल जा चुका है, लेकिन जमानत पर बाहर आने के बाद उसने फिर से ड्रग तस्करी का धंधा शुरू कर दिया। वहीं रजत ने पूछताछ में बताया कि वह शुभम के लिए काम करता है और चलते-फिरते ही ड्रग बेचता है। इसका जितना पैसा इकट्ठा होता है, वह शुभम को देता है।

बच्ची को बना रखा था ढाल: रजत यादव ड्रग के कारोबार में लिप्त है और पुलिस से बचने के लिए 8 साल की बेटी का इस्तेमाल करता था। वह बेटी को साथ में लेकर घूमता था ताकि पुलिस को एकदम से उस पर शक न हो। डीसीपी ऋषिकेश मीना को जानकारी मिली थी कि शुभम नेपाली जेल से छूटने के बाद इलाके में आता-जाता है पर वह द्वारकापुरी में नहीं रह रहा है।

मूंग उपार्जन के लिए 60 केन्द्रों पर 5 जुलाई तक करा सकते हैं पंजीयन

हरदा ■ निसं

राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग और उड़द के उपार्जन का निर्णय लिया गया है। प्रदेश के 36 मूंग उत्पादक जिलों में 8682 रुपए प्रति क्विंटल की दर से मूंग और 13 उड़द उत्पादक जिलों में 7400 रुपए प्रति क्विंटल की दर से उड़द उपार्जित की जाएगी। किसान मूंग उपार्जन के लिये 19 जून से 5 जुलाई तक पंजीयन करा सकेंगे।

कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने जिला उपार्जन समिति के निर्णय अनुसार जिले में मूंग उपार्जन के पंजीयन के लिये 60 पंजीयन केन्द्र स्थापित किये है। जारी आदेश अनुसार हरदा तहसील में 14, हंडिया तहसील में 9, टिमरनी तहसील में 13, रहटगांव तहसील में 8, खिरकिया तहसील में 7 तथा सिराली तहसील में 9 पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये है।

उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे ने बताया कि मूंग उपार्जन के लिये हरदा तहसील में जो पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये है, उनमें सेवा सहकारी समिति अबगांवखुर्द-1, अबगांवखुर्द-2, बालागांव-1, बालागांव-2, भुवनखेड़ी, गहाल, मसनगांव-1, मसनगांव-2, मोहनपुर, पलासनेर-1, पलासनेर-2, रूपीपरेटिया-1, रूपीपरेटिया-2 तथा दि हरदा किसान विपण सहकारी समिति हरदा शामिल है। इसी प्रकार हंडिया तहसील में जो पंजीयन केन्द्र बनाये गये है, उनमें सेवा सहकारी समिति अबगांवकला, हंडिया, खेड़ा, मांगरूल, नांदरा, पीपलघटा, सोनतलाई-1 तथा सेवा सहकारी समिति सोनतलाई-2 शामिल है।

उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे ने बताया कि मूंग उपार्जन के लिये टिमरनी तहसील में जो पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये है, उनमें सेवा सहकारी समिति पोखरनी-1, पोखरनी-2, छिदगांवमेल-1, छिदगांवमेल-2, मनियाखेड़ी-1, मनियाखेड़ी-2, रूंदलाय, तजपुरा, बाजनिया, गोंदागांवकला, करताना, गोंदागांवखुर्द तथा किसान विपणन एवं प्रक्रिया सहकारी समिति मर्या. टिमरनी शामिल है। इसी प्रकार रहटगांव तहसील में जो पंजीयन केन्द्र स्थापित किये गये हैं, उनमें सेवा सहकारी समिति आलमपुर-1, आलमपुर-2, रहटगांव-1, रहटगांव-2, टेमागांव, राजाबरारी, खवांग व सोडलपुर शामिल है।

उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे ने बताया कि मूंग उपार्जन के लिये खिरकिया तहसील में सेवा सहकारी समिति बारंगा, मोरगड़ी-1, मोरगड़ी-2, मांदला, खमलाय, चौकड़ी व धनवाड़ा सहकारी समिति आलमपुर-1, आलमपुर-2, रहटगांव-1, रहटगांव-2, टेमागांव, राजाबरारी, खवांग व सोडलपुर तथा सिराली तहसील में सेवा सहकारी समिति बेडियाकला, दीपगांवकला, जुनापानी, पीपल्या मकड़ाई, रहटाकला-1, रहटाकला-2, सिराली-1, सिराली-2 तथा सेवा सहकारी समिति सोमगांवकला को पंजीयन केन्द्र बनाया गया है।

आयुष्मान आपके द्वार 2.0 अभियान के तहत बनाये जा रहे आयुष्मान कार्ड

खंडवा ■ निसं

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। मध्यप्रदेश में इस योजना का आयुष्मान भारत निरामयम के नाम से विगत 6 वर्ष से सफल क्रियान्वन किया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों को योजनांतर्गत नि:शुल्क उपचार का निर्बाधित रूप से त्वरित लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक होता है कि हितग्राही का आयुष्मान कार्ड बना हो।

नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल ने कहा कि शेष बचे पात्र हितग्राहियों के शत प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के उद्देश्य से शासन द्वारा आपके द्वार निरामयम 2.0 अभियान 16 जून से 15 जुलाई 2025 तक चलाया जा रहा है। जिसमें सी.एच.ओ., स्वास्थ्य कार्यकर्ता व आशा के द्वारा पात्र हितग्राहियों के कार्ड बनाए जा रहे हैं। आयुष्मान योजनांतर्गत प्रमुख पात्रता श्रेणी के अंतर्गत वय वंदना योजना में 70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों, भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल जिसमें बिल्डिंग एंड अन्य कंस्ट्रक्शन वर्कर्स, उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के कार्ड, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत एवं अन्य चिंहित शेष पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाये जायेंगे।

ओंकारेश्वर में किया गया महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना अंतर्गत डेस्टिनेशन लेवल कार्यशाला का आयोजन

खंडवा ■ निसं

केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, महिला एवं बाल विकास विभाग, नई दिल्ली की अध्यक्षता में बुधवार को मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड भोपाल एवं अपराजिता महिला संघ के द्वारा महिलाओं हेतु सुरक्षित पर्यटन स्थल परियोजना के अन्तर्गत डेस्टिनेशन लेवल कार्यशाला का आयोजन अतिथि भवन शिवकोठी ओंकारेश्वर में किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा परियोजना की लाभार्थी महिलाओं से प्रत्यक्ष संवाद करते हुए उनके अनुभव एवं आत्मनिर्भर बनने के बाद आत्मविश्वास में हुई वृद्धि पर चर्चा गई। व्हील चेयर प्रशिक्षण की लाभार्थी सुभद्रा द्वारा साझा किया गया कि प्रशिक्षण में उन्हें व्हील चेयर चलाना सिखाने के साथ ही ओंकारेश्वर दर्शन के लिए आने वाली बुजुर्ग महिला पर्यटकों एवं दिव्यांगों की सहायता एवं पर्यटन से संबंधित जानकारी देना सिखाया गया। अब वह आत्मविश्वास के साथ केयरटेकर के रूप में ओंकारेश्वर में कार्य कर सकते हैं।

सिलाई प्रशिक्षण की लाभार्थी महिला ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से उन्होंने बैग कुर्ते और अन्य ड्रेस बनाना सीखा है और अब वह इस प्रशिक्षण के उपरांत स्वरोजगार से जुड़कर आय के स्रोत प्राप्त कर सकती हैं, जिससे आर्थिक रूप से वे सशक्त हुई है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। मूर्ति कला का प्रशिक्षण प्राप्त थापना ग्राम की प्रशिक्षित लाभार्थी महिला द्वारा कहा गया कि उन्होंने शंकराचार्य की मूर्ति के साथ ही दीपक मौसमी त्यौहारों में लगने वाली मूर्तियां आदि बनाना सीखा है। अब वे जल्द ही मूर्तियों का निर्माण कर ऑर्डर लेकर मुख्यत: आदिगुरु शंकराचार्य जी की मूर्तियां बनाना प्रारंभ करेंगे। ई-रिक्शा का प्रशिक्षण प्राप्त महिला ने कहा कि ई रिक्शा प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने ई- रिक्शा चलाना सीखा है। पहले वह मजदूरी करके बच्चों का पालन करती थी। अब जल्द ही रिक्शा खरीद कर उससे प्राप्त आय से पारिवारिक जरूरत को पूरा करने में सहयोग मिलेगा और उन्हें अच्छा लगेगा कि वह ओंकारेश्वर की प्रथम महिला होंगी, जो ई-रिक्शा चालक के रूप में कार्य करेंगी। केंद्रीय राज्य मंत्री द्वारा महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि महिलाओं को थोड़े से सहारे की जरूरत होती है, महिलाओं को थोड़ा सा सहारा मिलने पर वे सराहनीय कार्य करती हैं और हर क्षेत्र में आज महिलाएं कार्यरत हैं। विशेषकर पर्यटन के क्षेत्र में भी महिला गाइड, फ्रंट ऑफिस असिस्टेंट, कुक, ई- रिक्शा चालक आदि देखे जा रहे हैं जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ा है। थोड़े से सहयोग से महिलाएं बहुत आगे जाने की दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ संकल्प लेती हैं और आगे बढ़ती हैं। देवी स्वरूप महिलाएं मां लक्ष्मी, मां सरस्वती और समय आने पर मां काली भी बनती है। यदि महिलाओं को रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ना है तो आपको मां सरस्वती बनकर रोजगार से संबंधित जानकारियां एकत्रित कर आगे बढ़ना होगा। ओंकारेश्वर भ्रमण के दौरान महिला स्टोरी टेलर के द्वारा इंग्लिश में अपना परिचय देने के बारे में उन्होंने कहा कि वह अपने रोजगार और स्वरोजगार से संबंधित जरूरत को समझ कर नया सीखने के लिए भी निरंतर तत्पर रहे।

वॉटर वुमेन ने विक्रम विश्वविद्यालय में रोपा सिंदूर का पौधा

उज्जैन। पंचतत्व फाउंडेशन की संस्थापक और वॉटर वुमेन ऑफ इंडिया शिप्रा पाठक ने विक्रम विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती द्वार के समीप सिंदूर का पौधा रोपा। कार्यक्रम में कुलगुरू प्रो. अर्पण भारद्वाज और कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार शर्मा सहित शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे। शिप्रा पाठक ने बताया कि उनकी यात्रा 5 जून को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ सिंदूर का पौधा रोपण से शुरू हुई। वे अब तक 15 कुलगुरूओं के साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों में पौधरोपण कर चुकी हैं। उनकी यात्रा दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश होते हुए वापस उत्तर प्रदेश तक जाएगी।

भोपाल मंडल के दिव्यांगजन सेल द्वारा राजगढ़ में आयोजित हुआ प्रदेश का पहला रेलवे रियायत प्रमाण पत्र शिविर

भोपाल ■ निसं

पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल द्वारा दिव्यांगजनों को सुलभ रेल यात्रा सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। इसी क्रम में आज दिनांक 18 जून 2025 को जिला राजगढ़ में मध्यप्रदेश का प्रथम रेलवे रियायत प्रमाण पत्र शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह शिविर भोपाल मंडल एवं जिला प्रशासन राजगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजगढ़ के सेमिनार हॉल में संपन्न हुआ।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि इस शिविर का आयोजन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा किया गया, जिसमें रेलवे रियायत हेतु पात्र दिव्यांगजनों के प्रमाणपत्र बनाए गए। कुल 386 पंजीयन किए गए जिनमें से 141 पंजीयन ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से पूर्ण किए गए। यह शिविर रेल यात्रियों को टिकट रियायत सुविधा का लाभ समयबद्ध व पारदर्शी तरीके से दिलाने हेतु एक सराहनीय प्रयास रहा।

इस शिविर में भोपाल रेल मंडल की ओर से मुख्य कार्यालय अधीक्षक (वाणिज्य शाखा), भोपाल श्री हैरिस लाल तथा दिव्यांगजन सेल प्रभारी डॉ. ज्योति तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने शिविर की संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी करते हुए पात्र हितग्राहियों के आवेदन और दस्तावेजों का परीक्षण सुनिश्चित किया।

शिविर में अन्य चिकित्सकीय विशेषज्ञों जैसे अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. रजनीश शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप माथुर व डॉ. प्रियंका यादव, मानसिक व श्रवण विशेषज्ञ डॉ. कुश नारायण घनघोरिया एवं डॉ. राजेंद्र कटारिया तथा उपसंचालक, सामाजिक न्याय विभाग श्री अर्पित गुप्ता की उपस्थिति ने इस आयोजन को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाया। रेलवे द्वारा दी जाने वाली रियायत केवल उन दिव्यांगजनों को प्रदान की जाती है, जिनके पास डॉक्टर द्वारा प्रमाणित दिव्यांगता प्रमाणपत्र हो जिसमें न्यूनतम तयशुदा प्रतिशत और एस्कॉर्ट की अनिवार्यता स्पष्ट रूप से अंकित हो। ऐसे पात्र दिव्यांगजन रेलवे की वेबसाइट https://divyangjanid.indianrail.gov.in पर आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर प्रमाणपत्र हेतु आवेदन कर सकते हैं।

पृथ्वी, स्वस्थ संसार - संत निरंकारी मिशन द्वारा अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस पर देशव्यापी आयोजन

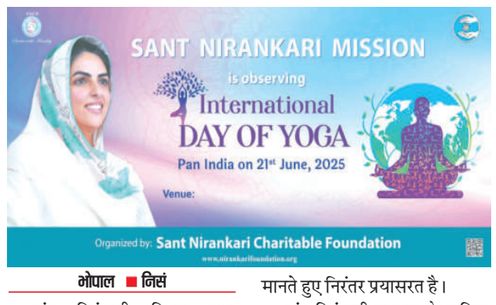

भोपाल ■ निसं

संत निरंकारी मिशन द्वारा 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर शनिवार, 21 जून 2025 को प्रात: 6:00 बजे भारतवर्ष के 1000 से अधिक स्थानों पर एक साथ 'योग दिवस' का भव्य आयोजन किया जाएगा। मिशन की विभिन्न शाखाओं में यह आयोजन स्थानीय योग प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खुले मैदानों एवं पार्कों में किया जाएगा, जिसमें श्रद्धालु, सेवादल स्वयंसेवक एवं स्थानीय नागरिक उत्साहपूर्वक भाग लेंगे।

इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित 'अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस' का विषय – 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है जो सम्पूर्ण मानवता को यह संदेश देता है कि व्यक्ति का वास्तविक स्वास्थ्य तभी पूर्ण माना जाता है जब वह शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक रूप से संतुलित और जागरूक हो। इसी उद्देश्य को केंद्र में रखते हुए संत निरंकारी मिशन अपने आध्यात्मिक और सामाजिक प्रयासों के अंतर्गत योग को समग्र कल्याण का माध्यम मानते हुए निरंतर प्रयासरत है।

संत निरंकारी मण्डल के सचिव आदरणीय जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी दी कि वर्ष 2015 से ही संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा 'योग दिवस' का नियमित रूप से देशव्यापी आयोजन किया जा रहा है। यह पहल सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से निरंतर विस्तारित हो रही है, जिनका मार्गदर्शन रहा है स्वस्थ मन, सहज जीवन।'' उनके विचारों में यह स्पष्ट है कि मानव शरीर ईश्वर की एक अनुपम देन है जिसे स्वस्थ और सशक्त बनाकर ही मानव अपने आध्यात्मिक और सामाजिक कर्तव्यों का सम्यक रूप से निर्वहन कर सकता है। योग भारत की एक प्राचीनतम विद्या है, जो न केवल शरीर को सबल बनाती है बल्कि मन को शांत और आत्मा को जागृत करने की क्षमता भी रखती है। इसके नियमित अभ्यास से तनाव, असंतुलन और रोगों से बचाव करते हुए व्यक्ति आत्मिक शांति और सामाजिक सौहार्द की दिशा में अग्रसर होता है।

संक्षिप्त समाचार

छत से गिरकर घायल हुई वृद्धा ने पॉच दिन बाद दम तोड़ा

भोपाल। अशोका गार्डन थाना इलाके में बीते दिनो छत से गिरकर घायल हुई वृद्ध महिला की इलाज के दौरान मोत हो गई। थाना पुलिस ने बताया की कैलाश नगर सेमरा में रहने वाली कामता जैन पति किशोर जैन (62) गृहणी थीं। बीती 13 जून की शाम वह मकान की छत पर कपड़े सुखाने गई थी। लौटते समय अचानक उन्हें चक्कर आया और वह छत से नीचे गिर गई। ऊचांई से गिरने के कारण उनके सिर में गंभीर चोट आई थी। परिजनों ने उन्हें इलाज के लिये निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान बीते दिन उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पहुंच पुलिस को परिवार वालो ने बताया कि कामता जैन को हाई ब्लड प्रेशन की शिकायत थी। आंशका है की अचानक बड़े ब्लड प्रेशर के कारण चक्कर आया और संतुलन बिगड़ने से वह हादसे का शिकार हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

वृद्ध आटो चालक ने फांसी लगाकर दी जान, कारण अज्ञात

भोपाल। शाहपुरा थाना इलाके में रहने वाले ऑटो चालक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मामला दर्ज कर पुलिस कारणो की जॉच कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार ईश्वर नगर बस्ती में परिवार सहित रहने वाला दिलीप सिंह (60) पिता चतर सिंह सवारी ऑटो चलाता था। परिवार वालो ने पुलिस को बताया की बीती सुबह करीब पॉच बजे वह घर से ऑटो लेकर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन गया था। करीब 9 बजे वह वापस घर लौटने के बाद वह सीधे अपने कमरे में चला गया। जब काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं आया तब उसके बेटे नकुल और पत्नि ने काफी आवाजे दी। भीतर से कोई जवाब न मिलने पर पत्नि ने पास में रहने वाले दिलीप के भाई चंदन सिंह तोमर को बुलाया। जैसै-तैसै कमरे में जाकर देखने पर दिलीप का शरीर टीन शेड के पाइप पर रस्सी से बने फंदे पर लटका नजर आया। परिजनों ने उसे फंदा काट कर उसे नीचे उतारते हुए इलाज के लिये निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है।

ब्रांडेड नाम से नकली सुपारी का गुटखा बनाकर बेचने वालों पर मामला दर्ज

भोपाल। पुराने शहर की शाहजहांनाबाद थाना पुलिस ने जैन मंदिर रोड एक दुकान व फैक्ट्री पर रेड मारते हुए ब्रांडेड नाम से नकली सुपारी का गुटखा बनाकर बेच रहे संचालक समेत दो के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। कार्यवाही के दौरान हजारों रुपए के गुटखे के पाउच व अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक नागपुर महाराष्ट्र से मुरली कुकरेजा ने थाने आकर लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया की उनकी कंपनी नंबर वन के नाम से मीठी सुपारी के नकली पाउच बनाकर बेचे जा रहे हैं। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केके प्रोडक्शन संस्थान पर छापामार कार्रवाई की। कार्यवाही के दौरान पता चला की वहॉ पर नकली गुटके का निर्माण और विक्रय किया जा रहा था। पुलिस ने संस्था के संचालक रामकिशन यादव और प्रोडक्शन कंट्रोलर हिमांशू वर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

सोयाबीन चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी एक साल बाद धराये

भोपाल। बैरसिया थाना पुलिस ने इलाके में स्थित एक दुकान में हुई चोरी के मामले में एक साल से फरार तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक बुलेरो जीप सहित ताला तोड़ने के औजार बरामद किये गये है। पुलिस के मुताबिक बैरसिया के सिलावटपुरा में रहने वाले फरियादी मोहन साहू की भोपाल रोड पर दुकान है। बीते साल मार्च 2024 में अज्ञात आरोपियों ने दुकान का ताला तोड़कर सोयाबीन की बोरियां चोरी कर ली थी। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक करने के बाद पुलिस ने इस मामले में आरोपी अन्नू कुशवाह उर्फ अनिकेत और राहुल अग्रवाल को गिरफ्तार किया था, जबकि तीन आरोपी फरार थे।

कर्मचारी संगठन बोले- विधि विभाग जैसी व्यवस्था हो

लोकसेवा पदोन्नति नियम 2025 का विरोध, कोर्ट जाने की तैयारी

भोपाल ■ निसं

9 साल से अटकी पदोन्नति (प्रमोशन) को लेकर मध्यप्रदेश सरकार से अधिकारी-कर्मचारी संगठन नाराज हैं। संगठनों ने संकेत दिए हैं कि वे सरकार के इस फैसले के विरोध में कोर्ट जा सकते हैं। सामान्य, पिछड़ा, अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (स्पीक) ने सरकार के फैसले को सामान्य वर्ग विरोधी बताया है।

उन्होंने पदोन्नति नियमों को नई पैकिंग में पुरानी दवाई कहा है। वहीं, तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन ने फैसले पर असंतोष जताते हुए कहा है कि सरकार ने वही किया जो 2016 से पहले चल रहा था। हालांकि, आरक्षित वर्ग के संगठन अजाक्स ने इस फैसले का स्वागत किया है और कहा कि, इस व्यवस्था के चालू होने से सभी वर्गों को पदोन्नति का मौका मिलेगा।

नई पैकिंग में पुरानी दवा: मंत्रालय सेवा अधिकारी-कर्मचारी संघ के अध्यक्ष इंजीनियर सुधीर नायक ने कहा कि नए नियमों में कुछ भी नया नहीं है। यह बस पुराने नियमों को नए तरीके से पेश किया गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुरानी दवाई नई पैकिंग में कर दी गई है। उन्होंने बताया कि विवाद की मुख्य वजह यह थी कि आरक्षित वर्ग के लोग अनारक्षित पदों पर भी पदोन्नत हो रहे थे, जिससे उच्च पदों पर लगभग 100 प्रतिशत पद आरक्षित वर्ग के पास पहुंच गए थे। उदाहरण के तौर पर मंत्रालय में अपर सचिव के 65 पदों में से 58 पद आरक्षित वर्ग के लोगों के पास हैं। नायक का कहना है कि नए नियमों में पुरानी समस्या को जस का तस रखा गया है, जिससे फिर से कोर्ट केस होने की संभावना है।

विधि विभाग को प्रमोशन, बाकी को क्यों नहीं: नायक ने कहा कि विधि विभाग ने 2016 से पदोन्नति दी और वर्टिकल आरक्षण लागू किया, जबकि बाकी विभागों में ऐसा नहीं किया गया। यह स्पष्ट भेदभाव है। उन्होंने सुझाव दिया कि अगर विवाद से बचना है तो समयमान वेतनमान के साथ उच्च पदनाम देने की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए, जैसा कि अन्य विभागों में हो रहा है।

नए पदोन्नति नियम में भी सरकार द्वारा 36 प्रतिशत पद आरक्षित रखे जाएंगे जो कि 2002 के नियम जैसा ही है, जिसको लेकर की विवाद था। पदोन्नति में आरक्षण न रखते हुए नौकरी में आते समय ही आरक्षण का लाभ दिया जाए ताकि सभी को सेवा में आने के बाद उसके कार्य एवं उसकी वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नतियां मिलें।

2016 से पदोन्नति क्यों नहीं दी गई

नायक ने यह भी सवाल उठाया कि जब न कोर्ट और न ही सामान्य प्रशासन विभाग ने पदोन्नति पर रोक लगाई थी, तो फिर कर्मचारियों को नौ साल तक प्रमोशन से क्यों वंचित रखा गया? उनका कहना है कि करीब डेढ़ लाख कर्मचारी बिना पदोन्नति के रिटायर हो गए और एक लाख कर्मचारी ऐसे हैं जो दो प्रमोशन के हकदार थे। सरकार अगर चाहती तो 2016 से काल्पनिक पदोन्नति देकर नुकसान की भरपाई कर सकती थी।

तीसरे वर्ग के संगठन ने भी जताया असंतोष

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने कहा कि सरकार ने जो नए नियम बनाए हैं, उनसे कुछ फायदे हैं लेकिन आरक्षण की पुरानी व्यवस्था को फिर लागू किया गया है, जो पहले विवाद का कारण बनी थी। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जनजाति को 20 और अनुसूचित जाति को 16त्न आरक्षण का लाभ दिया जाएगा। पदोन्नति नियम 2002 के पदोन्नति में आरक्षण के इसी नियम के विरोध में मामला उच्च न्यायालय में गया था। यह मामला उच्च न्यायालय में जाने के बाद उच्च न्यायालय के पदोन्नति में आरक्षण पर रोक लगा दी गई थी। 2016 से उच्चतम न्यायालय में मामला विचाराधीन है, अभी कोई फैसला नहीं आया है। इस कारण पिछले 9 साल में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं सामान्य जाति के एक लाख से अधिक अधिकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति हो चुके हैं और फिर वही नियम लागू कर दिए जाएं तो कहीं न कहीं कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है।

पन्ना से पढ़ने आये बीटेक छात्र ने फ्लैट में फांसी लगाकर की आत्महत्या

परिवार का इकलौता बेटा था मृतक, पिता करते है पुजारी का काम

भोपाल ■ निसं

पिपलानी थाना इलाके में स्थित पटेल नगर मल्टी में पॉच रुम पार्टनर के साथ किराये से रहने वाले टीआईटी कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहे एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिससे फिलहाल जान देने का कारण साफ नहीं हो सका है। जॉच टीम ने छात्र का मोबाइल जब्त किया है, जिसकी जांच की जा रही है। थाना पुलिस ने बताया की मूल रुप से पन्ना का हरने वाला मुदित पटेरिया पिता कांताप्रसाद पटेरिया (23) अन्य पॉच रुम पार्टनरो के साथ पटेल नगर मल्टी के फ्लैट में किराये से रहते हुए टीआईटी कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई कर रहा था। मुदित परिवार

का इकलौता बेटा था, उसकीकी एक बहन है, जबकि पिता कामता प्रसाद पन्ना के एक मंदिर के पुजारी हैं। बताया गया है की बीती रात मुदित ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। अगली सुबह जब काफी देर तक वह कमरे से नहीं आया तब साथ रहने वाले दोस्तों ने दरवाजा बजाने के साथ ही कई आवाजे लगाई। लेकिन न तो दरवाजा खुला और न ही अंदर से कोई जवाब मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने गेट तोड़कर शव को बरामद करते हुए उसे पीएम के लिये रवाना कर दिया। पुलिस को घटनास्थल की छानबीन के दौरान कमरे और मृतक की तलाशी लेने पर कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के बीच फिल्म प्रोडक्शन के क्षेत्र में एमओयू

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश को फिल्म निर्माण और क्रिएटिव उद्योग के लिए एक आकर्षक गंतव्य के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी (एसजीएसयू) और मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के बीच एक महत्वपूर्ण एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

इस समझौते का उद्देश्य राज्य में फिल्म प्रोडक्शन, मीडिया शिक्षा, स्किल डवलपमेंट, और युवाओं के लिए रोजगार सृजन के नए अवसरों को बढ़ावा देना है। एमओयू के माध्यम से युवाओं को फिल्म निर्माण, स्क्रिप्ट राइटिंग, कैमरा ऑपरेशन, एडिटिंग, और प्रोडक्शन मैनेजमेंट जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे तेजी से बढ़ती क्रिएटिव इंडस्ट्री में सफल करियर बना सकें।

इस गरिमामयी अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव, पर्यटन मंत्री श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला, ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमति दीपाली रस्तोगी की विशेष उपस्थिति रही।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी की ओर से कुलपति डॉ. विजय सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. सीतेश सिन्हा, विश्वरंग फाउंडेशन सीईओ विकास अवस्थी एवं अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने इस साझेदारी को और सशक्त बनाया।

यह समझौता न केवल राज्य में रचनात्मक उद्योगों को गति देगा, बल्कि युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम साबित होगा।

समन्वित प्रयासों से भोपाल की यातायात व्यवस्था होगी और अधिक सुगम

भोपाल। भोपाल की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के उद्देश्य से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में भोपाल के सांसद आलोक शर्मा, कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस आयुक्त हरिनारायणा चारी मिश्र सहित नगरीय पुलिस, यातायात, नगर निगम और राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विशेष रूप से ई-रिक्शा संचालन की प्रक्रिया पर चर्चा की गई। ई-रिक्शा को व्यवस्थित करने के लिए उनके निर्धारित रूट तय करने और संचालन व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही शहर के प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर अतिक्रमण हटाने हेतु नगर निगम एवं यातायात पुलिस का संयुक्त दस्ता तैयार कर अभियान चलाने पर सहमति बनी। बैठक में यह भी तय किया गया कि 20 जून 2025 से सार्वजनिक स्थलों और सड़कों पर खड़े यातायात बाधित करने वाले वाहनों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग में ही खड़े करें। शहर के ट्रैफिक को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न चौराहों और तिराहों पर 'लेफ्ट टर्न क्लियर' करने की योजना बनाई जाएगी,

कान्हा फन सिटी रिसोर्ट के मालिक और उसके परिवार के बीच रास्ते को लेकर खूनी संघर्ष

भोपाल ■ निसं

मिसरोद थाना इलाके में नर्मदापुरम रोड पर स्थित कान्हा फन सिटी रिसोर्ट के मालिक और उनके परिवार के बीच रास्ते को लेकर हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। हमले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी-डंडे और हसिए से हमला कर दिया। मारपीट में करीब आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों ही पक्षों की शिकायत पर काउंटर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक बालमुकुंद पाटीदार कान्हा फन सिटी रिसोर्ट के मालिक हैं। जबकि दूसरा पक्ष अभिनव पाटीदार भी उनका रिश्तेदार है। बीती शाम चार बजे कान्हा गृह निर्माण समिति में दोनों पक्षों के बीच रास्ता निकालने को लेकर विवाद हो गया। बताया जाता है, कि जमीन की प्रायवेट नपती चल रही थी। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले मामूली कहासुनी हुई और मामला मारपीट तक पहुंच गया। इतना ही नहीं दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर लाठी-डंडे और हसिए से हमला कर दिया। काफी समय तक दोनों पक्ष एक दूसरे के साथ मारपीट करते रहे। खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला शांत कराया। हमले में दोनों ही पक्ष के करीब आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। जिसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। बताया जाता है, कि कुछ समय पहले एसडीएम ने नपती कर रास्ता निकाला था। इसको लेकर ही दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था, जो बाद में खूनी संघर्ष में बदल गया। पुलिस ने इस मामले में ब्रजेश पाटीदार की शिकायत पर बालमुकुंद पाटीदार (मालिक कान्हा फन सिटी रिसोर्ट), शिवप्रसाद, सुरेंद्र और खुशीलाल के खिलाफ केस दर्ज किया। जबकि अभिनव पाटीदार की शिकायत पर ब्रजेश और रामेश्वर के खिलाफ मामला दर्ज किया।

सिकल सेल रोग उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मप्र कर रहा साकार

विश्व सिकल सेल दिवस पर 33 जिलों में लगेंगे विशेष शिविर- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल ■ निसं

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष-2047 तक देश को सिकल सेल मुक्त बनाने के लक्ष्य को लेकर सब एकजुट होकर कार्य कर रहे हैं। सिकल सेल रोग के उन्मूलन के राष्ट्रीय संकल्प को मध्यप्रदेश दृढ़ता से साकार कर रहा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकल सेल एक आनुवांशिक एवं असाध्य रक्त विकार है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानांतरित होता है। इसमें लाल रक्त कणिकाएं अर्द्धचंद्राकार हो जाती हैं, जिससे ऑक्सीजन प्रवाह बाधित होता है और व्यक्ति को तीव्र दर्द, संक्रमण व अंग क्षति जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह रोग विशेषत: जनजातीय समुदायों में अधिक पाया जाता है और मध्यप्रदेश जैसे जनजातीय बाहुल्य राज्य के लिए एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर 19 जून को बड़वानी में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। इस अवसर पर प्रदेश के प्रभावित 33 जिलों में परामर्श, स्क्रीनिंग, रोग प्रबंधन और निःशुल्क उपचार के लिये विशेष शिविर लगाये जायेंगे। उप मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि सब मिलकर यह संकल्प लें कि वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश को सिकल सेल मुक्त बनाएंगे। हर नागरिक की स्क्रीनिंग कराएं, विवाह पूर्व सिकल सेल कार्ड को अनिवार्य रूप से अपनाएं और समाज में संकोच नहीं, समाधान का संदेश फैलाएं।

एक करोड़ 6 लाख लोगों की स्क्रीनिंग: उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार ने सिकल सेल उन्मूलन को स्वास्थ्य न्याय का विषय मानते हुए इसे मिशन मोड में अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि मध्यप्रदेश आज सिकल सेल स्क्रीनिंग में देश में प्रथम स्थान पर है। अब तक 1 करोड़ 6 लाख से अधिक नागरिकों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

फर्जी कॉल सेंटर मामले के आरोपी भाजपा पार्षद ने भोपाल कोर्ट में किया सरेंडर

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल के अशोका गार्डन थाना इलाके में प्रभात चौराहा स्थित फर्जी कॉल सेंटर मामले में आरोपी को बचाने के लिए पुलिस को रिश्वत देने के आरोपी अंशुल जैन ने मंगलवार को भोपाल जिला न्यायालय में सरेंडर किया। बाद में कोर्ट ने अंशुल को जमानत पर रिहा कर दिया। आरोपी अंशुल टीकमगढ़ से बीजेपी पार्षद है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को अंशुल की ओर से कोर्ट में सरेंडर के लिए आवेदन लगाया गया था। आवेदन में कहा गया था, कि पार्षद अंशुल जैन के पास से प्रकरण से संबधित कोई भी साक्ष्य जप्त या बरामद नहीं हुआ है, उसका इस प्रकरण से कोई वास्ता नहीं है। हाइकोर्ट ने अंशुल की अग्रिम जमानत स्वीकार की थी। जिसके बाद अंशुल ने भोपाल जिला न्यायालय में सरेंडर कर दिया। गौरतलब है कि भोपाल के प्रभात चौराहा स्थित एक इमारत की चौथी फ्लोर पर ठगी का कॉल सेंटर बीते चार सालों से चल रहा था।

अनमोल वचन

मनुष्य का दिमाग ही सब कुछ है, जो वह सोचता है वही वह बनता है। – **गौतम बुद्ध**

ना तो कोई किसी का मित्र है ना ही शत्रु है। व्यवहार से ही मित्र या शत्रु बनते हैं। – **हितोपदेश**

सम्पादकीय

ईडी के खिलाफ पैरवी करने वाले वकील को ईडी का नोटिस

केन्द्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार को समन भेजा । ईड़ी की यह कार्रवाई ना केवल दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हमारे संविधान ओर लोकतंत्र को चुनौती देने जैसा है। यह मामला किसी आम प्रशासनिक चूक का नहीं है। बल्कि वकीलों की पेशेवर स्वतंत्रता और न्यायिक प्रक्रिया की पवित्रता पर सरकार और ईड़ी का सीधा हमला है। ईडी ने मुअक्किल को दी गई कानूनी सलाह से नाराज होकर, सुप्रीम कोर्ट में पैरवी करने वाले वकील को जांच के घेरे में लाकर धमकाने की कोशिश की है। यह सोच कितनी भयावह है, इसका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता है। सरकार की एजेंसियां अब वकीलों और अदालतों को धमकाने का काम करने लगी हैं। जांच एजेंसी जब वकील से यह पूछें कि उसने अपने मुअक्किल को क्या राय दी है। इसे ईड़ी को बताया जाए। एडवोकेट्स ऑन रिकॉर्ड एसोसिएशन ने ईडी की इस कार्रवाई पर सख्त आपत्ति की है। एसोसिएशन ने इसे न्याय प्रणाली को डराने और वकालत की स्वतंत्रता को कमजोर करने का कृत्य बताया है। जांच एजेंसियों की यह कार्यवाही अधिवक्ताओं और अदालतों के बीच में डर और भय फैलाने जैसी कार्यवाही की एक मिसाल है। ईडी और सरकार की कोई भी जॉच एजेंसी के खिलाफ अब हर वकील यह सोचेगा कि उसे सरकार के किसी एजेंसी के खिलाफ पैरवी करनी है, या नहीं। यदि उसने पैरवी की तो उसे जांच एजेंसी की प्रताणना का सामना करना पड़ेगा। उसे भी जांच एजेंसियां परेशान करेंगी। ईडी की इस कार्रवाई से कानूनी कार्यवाही में बकीलों के बीच में भय का माहौल बनाने का जो प्रयास ईड़ी द्वारा किया गया है। देश में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है। सुप्रीम कोर्ट पहले ही ईडी की गिरफ्तारी और छापेमारी की शक्तियों पर समय-समय पर सवाल खड़ी कर चुकी है। ईड़ी अब वकीलों को निशाना बना रही है, जिसके कारण नागरिकों के मौलिक अधिकार भी अब संकट में पडते हुए दिख रहे हैं। न्याय व्यवस्था के लिए यह एक खतरनाक मोड़ है। इससे न केवल वकील, बल्कि हर नागरिक के उस अधिकार को खतरा उतपन्न हो गया है। जिसमें वह स्वतंत्र कानूनी सलाह ले सकता है। कोर्ट में आम आदमी अब अपने अधिकारों की लड़ाई भी नहीं लड़ सकता है। यह कार्यवाही उस समय की याद दिलाता है। जब 2019 में सीनियर एडवोकेट्स आनंद ग्रोवर और इंदिरा जयसिंह को निशाना बनाया गया था। दातार के खिलाफ जारी समन का विरोध होने पर ईड़ी ने समन भले वापस ले लिया है। लेकिन सवाल जस का तस है। सत्ता में बैठे लोग कानून को भय का हथियार बनाकर अब वकीलों को भी प्रताड़ित कर रहे हैं? क्या वकील भी अब स्वतंत्र नही रहे ? क्या न्यायपालिका स्वतंत्र रह गई है? पैरवी करने और फैसला करने वालों को ही सरकार कानून के कठघरे में खड़ा करेगी। तो आम नागरिको की क्या हालत होगी ? इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। इस घटनाक्रम के बाद जरूरी हो गया है, सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और सभी बार काउंसिल मिलकर सरकार और उसकी जांच एजेंसियों की ऐसी प्रवृत्तियों को रोकने से सख्ती से आगे आएं। वकील और न्यायाधीश न्याय पालिका के दो पहिए हैं। दोनों ही न्यायपालिका के विशिष्ट अंग हैं। जब इनमें से किसी एक पर हमला होता है, तो न्यायपालिका और लोकतंत्र की गाड़ी डगमगाने लगती है। नागरिकों के संविधान प्रदत मौलिक अधिकार खतरे में पडने लगते हैं। न्याय के नाम पर अन्याय करने का जो काम सरकारें करती हैं। यदि इस तरीके की कार्यवाही को समय रहते नहीं रोका गया, तो आपातकाल से भी ज्यादा खराब तानाशाही की ओर ले जाने वाली कार्रवाई होगी। जांच एजेंसियों और सरकार की इस कार्रवाई के विरोध में वकीलों को आगे आना होगा, अन्यथा उनका भी कोई अस्तित्व नहीं रह जाएगा। अब तो वकील भी इसके शिकार होने लगे हैं। इससे गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। 1975 का आपातकाल कानून के तहत लागू किया गया था। वर्तमान में आपात काल नहीं है। उसके बाद भी आपातकाल से ज्यादा तानाशाही और सरकारी प्रताणना आम नागरिकों को झेलना पड़ रही है।

चिंतन-मनन

श्रद्धा से मिलता है ज्ञान

एक बार बालक नचिकेता ने अपने पिता से कहा, आप ब्राह्मणों को जर्जर, कृशगात और अनुपयोगी गाय दान में दे रहे हैं। उन्होंने यह नहीं कहा कि ऐसा ठीक नहीं है परंतु पिता समझ गए कि यह मेरी निंदा कर रहा है, मेरा अनादर कर रहा है, मेरे कृत्य की भर्त्सना कर रहा है। नचिकेता ने पिता से कहा- शाप कहते हैं कि अच्छी वस्तु, अच्छी निधि तथा अच्छी संपदा का दान करना चाहिए। अगर आप दान ही कर रहे हैं तो मुझको किसे दान में देंगे ? पिता को चुप लग गया लेकिन बालक नचिकेता बार-बार टोकने लगा-पिताजी ! आप मुझे किसे दान में देंगे ? आपने यह भी विचार किया होगा कि मुझे भी किसी को दान में देंगे। इस पर पिता ने प्रोध में कहा-मैं तुझे यमराज को दान में देता हूं। आज से तू यम की वस्तु हुआ। दान की गई वस्तु कभी ली नहीं जाती और कभी लौटाई नहीं जाती। अब तू मेरा नहीं रहा। चूंकि मैं तुझे दान कर चुका हूं इसलिए तू मेरे पास नहीं रहेगा। बालक नचिकेता को यह बुरा नहीं लगा कि मेरे पिता ने मुझे कुछ कहा है। ऐसी श्रद्धा थी नचिकेता की अपने पिता के प्रति। यही श्रद्धा ज्ञानकारक बनी और नचिकेता को यमराज के द्वार पर लेकर गई। यमराज ने देखा कि यह सामान्य बालक नहीं, श्रद्धावान बालक था। जब हमारे पास श्रद्धा आती है तो वह हमें बाध्य करती है। गुरु के पास जो गुरुत्व है, साधु के पास जो साधुत्व है, संन्यासी के पास जो संन्यस्त है, गंगा के पास जो गंगत्व है,देवताओं के पास जो देवत्व है और भगवान के पास जो भगवत्ता है; उसके हम स्वाभाविक रूप से अधिकारी बन जाते हैं। श्रद्धावान व्यक्ति स्वाभाविक रूप से योग्यता रखता है चूंकि उसके पास तर्प नहीं होते।

नचिकेता संकल्लित मन से यमराज की चौखट पर बैठ गया। यमराज ने कहा-तू तीन दिन से मेरे द्वार पर बैठा है, बड़ा हठी है। मांग क्या मांगना चाहता है ? इस पर बालक नचिकेता ने कहा-मैं मृत्यु का भेद जानने आया हूं। जन्म-मृत्यु क्या है, यह भेद मुझे बता दीजिए।

यह सुनकर यमराज हतप्रभ हो गए। उन्होंने बालक नचिकेता के समक्ष ढेरों प्रलोभन रखते हुए कहा-तुम चप्रवर्ती सम्राट बनने, पृथ्वी पर प्रतिष्ठत और पूजित होने अथवा स्वर्ग की संपूर्ण संपदा प्राप्त करने का वर मांग लो। भला तुम्हारे इन प्रश्नों में क्या रखा है ? बालक नचिकेता ने कहा-महाराज ! मुझे यह सब कुछ नहीं चाहिए। मुझे वही चाहिए जिसके बारे में मैंने आपसे पूछा है। यमराज मजबूर हो गए। श्रद्धा उसे भी कहते हैं जिसके सामने जगत के सारे आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण गौण हो जाएं। श्रद्धा का एक अर्थ यह भी है कि जागतिक आकर्षण आपके सामने शिथिल हो जाएं। श्रद्धा के बल पर ही बालक नचिकेता ने सब कुछ प्राप्त कर लिया।

बेटियाँ आगे बढ़ रही, पर मंच अब भी खाली !

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिज़नेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है।

– सोनम लववंशी

यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 जब यह कहती है कि लड़कियों की शैक्षणिक प्रगति वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय रही है, तो यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक उम्मीद का सिरा है। भारत में भी यह बदलाव साफ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लागू होने के बाद से प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा तक लड़कियों की भागीदारी में बढ़ोतरी हुई है। उच्च शिक्षा में उनकी भागीदारी अब 49 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। यह एक ऐसा तथ्य है जो न केवल भारत के भविष्य की दिशा तय करता है, बल्कि सामाजिक संरचना में बदलाव के संकेत भी देता है, किंतु इसी उजाले के साथ एक लंबी छाया खिंचती है। जब बात नेतृत्व की होती है, चाहे वह राजनीति का क्षेत्र हो, कॉरपोरेट की ऊँचाइयाँ, या तकनीकी दुनिया के निर्णायक मोर्चे, महिलाएं वहाँ बहुत पीछे खड़ी नजर आती हैं। केवल 7.2 प्रतिशत भारतीय कंपनियों में महिलाएं सीईओ पद पर हैं। संसद में उनकी भागीदारी 14 प्रतिशत से भी कम है। वैश्विक स्तर पर यह आंकड़ा थोड़ा ही बेहतर है। विश्व बैंक की साल 2024 की रिपोर्ट की माने तो, विश्वभर में शीर्ष नेतृत्वकारी पदों में केवल 10 प्रतिशत हिस्सेदारी महिलाओं की है। यह आंकड़े न सिर्फ स्थिति की गंभीरता बताता हैं, ये सवाल भी उठाता हैं कि आखिर क्यों शिक्षा में आगे निकल चुकी महिलाएं नेतृत्व के पायदान पर पिछड़ जाती हैं?

यह सवाल और भी गंभीर तब हो जाता है, जब हम मातृसत्तात्मक समाज की बात करते हैं। मेघालय इसका ज्वलंत उदाहरण है। यहाँ खासी और जयंतिया जनजातियों में संपत्ति और वंशानुक्रम महिलाओं से जुड़ा है। इन सबके बावजूद इस राज्य की विधानसभा में महिलाओं की भागीदारी बहुत कम या यूं कहें नाममात्र ही है। ऐसे में यह विसंगति केवल सांस्कृतिक ही नहीं, संरचनात्मक और मनोवैज्ञानिक भी है। क्या यह किसी सुनियोजित दमन का परिणाम है, या महिलाएं स्वयं नेतृत्व से दूर रहना चाहती हैं? शायद सत्य इन दोनों के बीच कहीं छिपा है,

क्योंकि देश के बाकी हिस्सों की स्थिति भी काफी दयनीय है। पितृसत्तात्मक सोच, सामाजिक अपेक्षाएं, और कार्यस्थलों पर मौजूद लैंगिक भेदभाव की संरचनाएं मिलकर एक ऐसा वातावरण निर्मित करती हैं, जहाँ महिलाएं नेतृत्व के अवसरों से वंचित रह जाती हैं। अवसर मिलने पर भी उन्हें दुगना संघर्ष करना होता है। राजनीति जैसे क्षेत्र में तो यह और भी कठिन हो जाता है, जहाँ जोखिम, सार्वजनिक आलोचना, और कभी-कभी हिंसा तक का सामना करना पड़ता है। विश्व आर्थिक मंच की 2024 की रिपोर्ट बताती है कि कार्यबल में वैश्विक रूप से महिलाओं की भागीदारी 42 प्रतिशत है, लेकिन वरिष्ठ नेतृत्व में यह संख्या घटकर केवल 31.7 प्रतिशत रह जाती है। इसी प्रकार, स्टीम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) क्षेत्रों में महिलाओं की वैश्विक भागीदारी मात्र 28.2 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि महिलाएं केवल शिक्षा तक सीमित नहीं, ज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी अनदेखी का शिकार हैं।

वेतन असमानता भी एक बड़ी बाधा है। विश्व बैंक की वीमेन, बिज़नेस एंड द लॉ-2024 की रिपोर्ट बताती है कि महिलाएं औसतन पुरुषों की तुलना में 2.4 घंटे अधिक अवैतनिक देखभाल कार्य करती हैं। इसके अतिरिक्त, 98 देशों में समान वेतन के कानून तो हैं, लेकिन केवल 35 देशों में ही ऐसे कानूनों के प्रवर्तन और पारदर्शिता के लिए मजबूत ढांचा है। इसका सीधा प्रभाव महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्वकारी भूमिका पर पड़ता है। इन सबके बावजूद, तस्वीर पूरी तरह धुंधली नहीं है। बदलाव की किरणें मौजूद हैं। भारत में पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं को आरक्षण दिए जाने के बाद से स्थानीय स्तर पर नेतृत्व में उनकी भागीदारी में सुधार देखा गया है। यह दिखाता है कि जब अवसर और संरचना दोनों सकारात्मक रूप में मिलते हैं, तो महिलाएं नेतृत्व में भी उत्कृष्टता दिखा सकती हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किए जा रहे हैं। विश्व बैंक की जेंडर स्ट्रेटेजी 2024-2030 का लक्ष्य है कि 2030 तक 300 मिलियन महिलाओं को डिजिटल कनेक्टिविटी, 250 मिलियन को सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क और 80 मिलियन महिला-नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्तीय समर्थन दिया जाए। ये योजनाएं महिलाओं को सशक्त करने के प्रयास नहीं, एक समावेशी भविष्य की नींव हैं। सवाल यह है कि इस नींव पर हम कैसे निर्माण करेंगे? सबसे पहले तो जरूरी है कि समाज में गहराई तक समाई लैंगिक रूढ़ियों को तोड़ा जाए। यह काम केवल पाठ्यक्रम बदलने या पोस्टर लगाने से नहीं होगा। इसके लिए जरूरी है कि बचपन से ही लड़के और लड़कियों दोनों को समानता, नेतृत्व और सह-अस्तित्व के मूल्यों की शिक्षा दी जाए। कार्यस्थलों पर भी व्यापक बदलाव जरूरी हैं। मातृत्व अवकाश, लचीली कार्य व्यवस्था, यौन उत्पीड़न के मामलों में सख्त कार्यवाही, और महिलाओं की पदोन्नति के लिए पारदर्शी और न्यायसंगत प्रणाली का निर्माण अनिवार्य है।

धर्म का एक दशक: मोदी युग में सांस्कृतिक पुनर्जागरण

कुछ महीने पहले भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है। जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से इसे भुला दिया गया था। समुचित स्थान से वंचित किया गया और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था . यह एक शक्तिशाली घोषणाथी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

जनवरी 2024 में जब पावन नगरी अयोध्या में सूर्योदय हुआ।सदियों से लुप्त हो चुकी प्रार्थना अब आखिरकार गुंजायमान होने लगी थी। श्री राम की अपने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महज एक धार्मिक उपलब्धि नहीं थी। यह सभ्यता के उद्धार का क्षण था। सदियों के आक्रमणए औपनिवेशिक विकृति और राजनीतिक देरी के बादए मंत्रों से गूंजता हुआ और इतिहास के स्पंदन सहितए बलुआ पत्थर में उकेरा गया यह मंदिर शान से खड़ा था। यह सिर्फ वास्तुकला के बारे में नहीं था, यह एक घायल आत्मा के उपचार के बारे में था। श्री राम की अपनी जन्मभूमि पर वापसी ने उस राष्ट्र की आस्था को फिर से जागृत कर दिया, जिसने लंबे समय तक अपने दिल में निर्वासन की खामोशी को समेटे रखा था।

कुछ महीने पहले भारत की प्राचीन आस्था का एक और प्रतीक चुपचाप अपने सही स्थान पर लौट आया। नई संसद के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंगोल को स्थापित किया। यह एक पवित्र राजदंड है। जिसे 1947 में तमिल अधीनमों ने सत्ता के धार्मिक हस्तांतरण को चिह्नित करने के लिए जवाहरलाल नेहरू को भेंट किया था। दशकों से इसे भुला दिया गया था। समुचित स्थान से वंचित किया गया और एक प्रचलित राजदंड के तौर पर खारिज कर दिया गया था। इसकी स्थापना केवल स्मरण का कार्य नहीं था . यह एक शक्तिशाली घोषणाथी कि भारत अब खुद को उधार की आंखों से नहीं देखेगा। सेंगोल ने साम्राज्य के अवशेषों का नहीं, बल्कि धार्मिकता पर आधारित शासन का प्रतिनिधित्व किया। यह भारत की अपनी राज्य कला और आध्यात्मिक परंपराओं का एक महत्वपूर्ण आलिंगन था। जिसे उपनिवेशवाद के बाद के क्रम में लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया था। इतना ही नहीं इन क्षणों ने एक गहरे सांस्कृतिक पुनर्जागरण का संकेत दिया। यह एक सभ्यतागत गतिविधि के तौर पर ग्यारह परिवर्तनकारी वर्षों में सामने आएगी। 2014 में शुरू से ही यह स्पष्ट था कि मोदी सरकार के तहत संस्कृति अब सजावटी नहीं रहेगी बल्कि यह मूलभूत होगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवसपहली बार 2015 में मनाया गया था। अब दुनिया भर में लाखों लोगों को एक प्राचीन भारतीय परंपरा का जश्न मनाते देखा जा रहा हैए जो शरीर मन और आत्मा को आपस में जोड़ता है। योग केवल एक स्वास्थ्य संबंधी दिनचर्या भर नहीं है बल्कि यह पिछले कुछ वर्षों में भारत का सबसे बड़ा सांस्कृतिक निर्यात भी बन गया है।

आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के पुनरुद्धार को संस्थागत बल दिया गया। इसके परिणामस्वरूप आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को राष्ट्रीय और वैश्विक मंचों पर पहुंचने में मदद मिली। समानांतर रूप सेए सरकार ने संस्कृत, तमिल, पाली और प्राकृत जैसी शास्त्रीय भाषाओं को संरक्षित करने पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और उस्तादएवं हमारी धरोहर जैसी योजनाओं के तहत लुप्तप्राय लोक कलाओं और शिल्पों का समर्थन करने के लिए मिशन शुरू किए।

भारत की ऐतिहासिकों इमारतों में भी नई जान आ गई। 2018 में स्टैच्यू ऑफयूनिटी का अनावरण केवल व्यापकता के बारे में नहीं था बल्कि एक गाथा को पुनः प्रतिष्ठित करने जैसा था। सरदार वल्लभभाई पटेललंबे समय से ओझल हो रहे थे। उनको राष्ट्रीय स्मृति में सबसे आगे रखा गया। राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ करना एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था। यह औपनिवेशिक प्रतीकवाद से देशी जवाबदेही की ओरबदलाव का भी प्रतीक था।

तमिलनाडु के महाबलीपुरम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच 2019 की अनौपचारिक शिखर वार्ताकी तुलना मेंशायद कोई भी कूटनीतिक वार्ता इस बदलाव को बेहतर तरीके से नहीं दर्शाती है। दिल्ली के गलियारों से दूर प्राचीन बंदरगाह कानगर जो कभी पल्लव राजवंश और भारत.चीनी समुद्री संबंधों का एक संपन्न केंद्र होने के साथ.साथ दो सभ्यताओं के बीच वार्ता की पृष्ठभूमि बन गया। जब नेता चट्टानों को काटकर बनाए गए मंदिरों और पत्थर के रथों के बीच चले तो भारत ने न केवल भूगोल बल्कि इतिहास और न केवल प्रोटोकॉल बल्कि विरासत को भी प्रस्तुत किया। यह अपने सबसे सूक्ष्म और सबसे मजबूत रूप में सॉफ्ट पावर था।

यह सांस्कृतिक लोकाचार अन्य तरीकों से भी भारत की वैश्विक कूटनीति में प्रवाहित हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व के नेताओं को राजकीय उपहार के तौर पर पट्टचित्र पेंटिंग से लेकर बच्चों के लिए लाख के खिलौने भेंट किए गए जो अपने साथ भारत के कारीगरों और कालातीत परंपराओं के संदेश लेकर गए।

2023 में जी.20 की अध्यक्षता एक और सांस्कृतिक उपलब्धि साबित हुई। दिल्ली के डिप्लोमेटिक हॉल तक सीमित न रहकरए यह शिखर सम्मेलन सांस्कृतिक पहचान का अखिल भारतीय उत्सव बन गया। आदिवासी कला प्रदर्शनों से लेकर शास्त्रीय प्रदर्शनों तकए भारत ने न केवल अपनी नीतिगत गहराईए बल्कि अपनी आत्मा का भी प्रदर्शन किया। हर प्रतिनिधिमंडल भारत के रंगोंए व्यंजनों शिल्प और चेतना में डूबा हुआ था। संदेश स्पष्ट था; भारत भूतकाल की सभ्यता नहीं है . यह जीवंत, सशक्त और आत्मविश्वास से परिपूर्ण वैश्विक सभ्यता है।

इन वर्षों के दौरान 600 से अधिक चोरी की गई कलाकृतियां विदेशी संग्रहालयों और संग्रहकर्ताओं से वापस लाई गईं। जिनमें मूर्तियां, शिलालेख और पांडुलिपियां शामिल हैं। इनमें से प्रत्येक की वापसी न केवल कला की बल्कि सम्मान की बहाली थी। इसी तरह गुरु गोविंद सिंह के वीर शहजादों की शहादत को याद करने के लिए वीर बाल दिवस की स्थापना की गई। जबकि जनजातीय गौरव दिवस ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को राष्ट्रीय केन्द्र में लाया।

महामारी भी सांस्कृतिक लौ को मद्धिम नहीं कर पाई। वर्चुअल कॉन्सर्टए डिजिटल म्यूजियम टूर और श्मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया कि कलाए कहानियां और सांस्कृतिक गौरव लॉकडाउन के एकांत में भी पुष्पित.पल्लवित होते रहें।

श्विकासभी विरासत भीश्के नारे जैसे अभियान में ये सभी समाहित हो गए। यह एक आह्वान है जो आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ-साथ चलने पर जोर देता है। मोदी सरकार के तहत यह नारा केवल बयानबाजी नहीं था। इसने एक नई दृष्टि को परिभाषित किया। एक दृष्टि जिसमें जीडीपी वृद्धि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा आधुनिकीकरण मंदिर जीर्णोद्धार आदिवासी गौरव और सभ्यता की गाथा समाहित थे। भारत आज अपनी पहचान के इर्द.गिर्द नहीं घूमता। बिना किसी पछतावें और आत्मविश्वास से परिपूर्ण होकर यह आगे बढ़ता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद प्रगति की बाध्यकारी शक्ति के रूप में उभरा है जिसे कभी प्रतिगामी के रूप में खारिज कर दिया गया था। भाजपा के वैचारिक कम्पास मेंए संस्कृति केवल एक सहायक भर नहीं है बल्कि धुरी है।

इन ग्यारह सालों में मोदी युग ने केवल सांस्कृतिक नीति को ही ध्यान में नहीं रखा है। बल्कि इसने सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत किया है। जो पुनर्स्थापना के तौर पर शुरू हुआ था वह पुनरुत्थान बन गया। जिन्हें कभी अतीत की स्मृतियों के तौर पर उपेक्षित किया जाता थाए वे सभी अब राष्ट्रीय पहचान के केंद्र बन गए हैं।

राम मंदिर और सेंगोल हमेशा सांकेतिक प्रतीक बने रहेंगे लेकिन विरासत की गहराई सामूहिक अहसास में निहित है। भारत का भविष्य तब सबसे उज्ज्वल होगा। जब वह याद रखेगा कि वह कहां से आया है। हम सिर्फएक लंबा इतिहास वाला देश नहीं हैंए बल्कि हम एक लंबी स्मृति वाली जीवित सभ्यता हैं। और उस स्मृति में धर्म की निगरानी में भारत ने फिर से अपनी आवाज पाई है।

खास बात

रील बनाने वाले मंत्रियों पर प्रधानमंत्री मोदी की निगाहें टेढ़ी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2001 से ही नीति रही है। उनके सामने किसी का प्रचार नहीं होना चाहिए। जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री थे। वहां के समाचार पत्रों में कभी मंत्रियों के फोटो नहीं छपते थे। हर काम का श्रेय मुख्यमंत्री मोदी लेते थे। गुजरात के समाचार पत्रों में यदि किसी मंत्री का फोटो छप जाता था। दूसरे दिन उसकी मुख्यमंत्री कार्यालय में पेशी हो जाती थी। 2014 के बाद से यही स्थिति प्रधानमंत्री के रूप में मोदी की बनी हुई है। समाचार पत्रों में प्रधानमंत्री की फोटो ही छपती है। मंत्री अखबारों और टीवी में अपना चेहरा देखने के लिए तरस जाते हैं। इस बार कुछ केंद्रीय मंत्रियों ने रील के जरिए अपना प्रचार अभियान शुरू किया। जैसे ही इसकी जानकारी मोदी जी को लगी। उन्होंने मंत्रियों को निशाने पर ले लिया है।

तमिलनाडु का चुनाव तमिल सभ्यता पर लड़ा जाएगा

भारतीय जनता पार्टी हिंदुत्व और सनातन के आधार पर चुनाव लड़ती है। तमिलनाडु में इस बार का विधानसभा चुनाव तमिल सभ्यता पर आधारित होगा। तमिलनाडु के किलाड़ी में खुदाई चल रही है। यहां पर तमिल सभ्यता के 2600 वर्ष से ज्यादा पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन दावा कर रहे हैं। सनातन और सिंधु घाटी जैसी पुरानी, तमिल सभ्यता है। इस सभ्यता को बचाए रखने के लिए तमिल श्रेष्ठता को लेकर यह चुनाव लड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री स्टालिन ने आरोप लगाया है। केंद्र सरकार खुदाई में अड़ंगा डाल रही है। पुरातत्व विभाग की खुदाई में स्थापित हो चुका है, सिंधु घाटी और सनातन परंपरा से भी पुरानी तमिल संस्कृति है। भारतीय जनता पार्टी के हिंदुत्व और सनातन का मुकाबला, अब तमिल संस्कृति से होना तय है।

मंत्रियों-विधायकों की नहीं सुन रहे हैं अधिकारी

मंत्री और विधायक भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों से काफी नाराज चल रहे हैं। विभागीय मंत्रियों की बात प्रशासनिक अधिकारी नहीं मान रहे हैं। एक मंत्री, दूसरे मंत्री की नोट शीट को नहीं मान रहा है। ट्रांसफर और तबादले को लेकर विधायकों और मंत्रियों द्वारा जो नोटशीट लिखी जा रही हैं। उन पर कोई कार्यवाही नहीं होने से मंत्री और विधायक भारी नाराज हैं। यह स्थिति मध्य प्रदेश में बनी हुई है। अधिकारी सीधे मुख्यमंत्री से जुड़े हुए हैं। नियम कानून का मकडजाल फैलाकर अपने ही विभागीय मंत्री के आदेशों को नहीं मानने के कारण मंत्री नाराज हैं। तबादला उद्योग चल रहा है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ॠतु, गुरु अस्त, शुक्रोदय, पूर्वे तिथी, अष्टमी, गुरुवासरे, उ.भाद्र पद नक्षत्रे, सौभाग्य योगे, कौलव करणे, मीन की चंद्रमा, शीतलाष्टमी, मूल प्रारंभ रात्रि 8/18 लघु वृक्षारोपण हल प्रवाहन तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्योगपति तथा जंगल का ठेकेदार तथा आरा मशीन वाला, व्यक्तित्व वाला, ठेकेदारीकरने वाला इंजीनियर होगा।

मेष : इष्ट मित्रों से लाभ होगा, भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी तथा रुके कार्य बन जायेंगे।

वृष : अपनों से तनाव, प्रत्येक कार्य में बाधा, लाभकारी योजना हाथ से निकल जायेगी।

मिथुन : धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, तथा कार्य वृत्ति में सुधार होगा, रुके कार्य बनेंगे।

कर्क : कार्य योजना फलीभूत होगी, दैनिक सफलता के कार्य संभव होंगे तथा तनाव से बचें रहे।

सिंह :इष्ट मित्रों से सुख वर्धक हो, मनोबल उत्साह वर्धक बना ही रहेगा, कार्य गति में सुधार होगा।

कन्या : आशानुकूल सफलता का हर्ष, दैनिक व्यवसाय में सुधार होगा, चिन्ता मुक्त होगे।

तुला : आर्थिक योजना सफल होगी, समय पर सोचे कार्य बने तथा किसी के धोखे से बचेंगे।

वृश्चिक : दूसरों के कार्य में भटकना पड़ेगा, समय को बचाकर चलने से लाभ अवश्य ही होगा।

धनु : दैनिक कार्य गति में सुधार , कार्य योजना फलीभूत होगी, कार्य का ध्यान रखे।

मकर : किसी का कार्य बनने से संतोष, चिन्ता निवृत्ति व्यावसायिक स्थिति में सुधार अवश्य होगा।

कुम्भ : स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बैचेनी, उदर विकार, विद्या बाधा, कार्य बाधा अवश्य ही होगी।

मीन : भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य बनेंगे, मित्रों का सहयोग अवश्य मिलेगा।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

19 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	04.58 बजे से
चंद्र	मीन में	कर्क	07.16 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.32 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.44 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.55 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.09 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.25 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.30 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.17 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मीन	23.50 बजे से
		मेष	01.20 बजे से
		वृष	03.00 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 170 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 11.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 23.17 बजे को समाप्त। **योग** आयुष्मान 05.24 बजे तदनन्तर सौभाग्य 02.46 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 11.56 बजे तदनन्तर तैतिल 22.56 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 25' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872380 **जूलियन दिन** 2460845.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 22

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

विमान हादसे में एक मात्र जीवित बचे रमेश विश्वास अस्पताल से डिस्चार्ज

अहमदाबाद। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का विमान 12 जून को उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद मेघानीनगर क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस त्रासदी में कुल 241 यात्रियों की मौत हो गई। इस विमान से जीवित बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार को कल शाम 7.30 बजे सिविल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। छुट्टी मिलने के बाद विश्वास कुमार अपने भाई के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे में जीवित बचे एकमात्र यात्री विश्वास कुमार को सिविल अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। विश्वास कुमार को कल शाम 7.30 बजे छुट्टी दे दी गई। विश्वास कुमार को उनके परिवार के सदस्यों के ब्रिटेन से आने के बाद छुट्टी दे दी गई। इस हादसे में मारे गए विश्वास कुमार के भाई का शव कल रात 2 बजे सौंपा गया। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद विश्वास कुमार अपने भाई के अंतिम संस्कार में शामिल हुए।

190 मृतकों के डीएनए सैंपलों का मिलान, जिनमें से 159 शव परिवारों को सौंप गए

अहमदाबाद। 12 जून को अहमदाबाद विमान दुर्घटना के मृतकों की पहचान के लिए डीएनए प्रक्रिया चल रही है। 18 जून को सुबह 10.45 बजे के अपडेट के अनुसार कुल 190 मृतकों के डीएनए सैंपल का मिलान हो चुका है। जिनमें से 159 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं और 33 शव अभी सौंपे जाने बाकी हैं। यह जानकारी सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने मीडिया ब्रीफिंग में दी7 उन्होंने बताया कि 10 शव ऐसे हैं जिनके परिजनों का पता नहीं है। अब तक 125 भारतीय, 4 पुर्तगाली, 38 ब्रिटिश और 1 कनाडाई नागरिकता वाले यात्रियों के शव सौंपे जा चुके हैं। अब तक 139 लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। विमान हादसे में 9 मरीज अहमदाबाद सिविल अस्पताल में उपचाराधीन थे, जिनमें से एक मरीज की कल शाम मौत हो गई। सिविल में अब तक भर्ती कुल 71 मरीजों में से तीन की मौत हो चुकी है।

रास्ता रोकने के 11 साल पुराने मामले में कांग्रेस के दो विधायक को एक-एक साल की सजा

जयपुर। करीब 11 साल पुराने मामले में जयपुर जिला अदालत ने कांग्रेस के दो विधायकों सहित नौ लोगों को एक-एक साल की सजा सुनाई है। जिला अदालत ने सभी को रास्ता रोकने और कानून के खिलाफ इकट् ?ठा होने का दोषी माना है। सभी आरोपियों ने 13 अगस्त 2014 को करीब 20 मिनट के लिए राजस्थान यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट के बाहर जेएलएन मार्ग को जाम किया था। हालांकि सजा मिलने के बाद सभी को को जमानत भी दे दी गई। अभियोजन अधिकारी कविता पिंगोलिया के मुताबिक मामले में लाडनूं विधायक मुकेश भाकर, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, झोटवाड़ा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे अभिषेक चौधरी सहित 9 लोगों को एक-एक साल की सजा सुनाई। ट्रायल के बाद कोर्ट ने भाकर, मनीष यादव, अभिषेक चौधरी, राजेश मीणा, रवि किराड़, वसीम खान, द्रोण यादव, भानूप्रताप सिंह और विद्याधर मील को दोषी मानकर सजा सुनाई। कोर्ट ने सजा सुनाने के बाद सभी आरोपियों को जमानत पर रिहा कर दिया। अब सभी आरोपी सजा स्थगित करने के लिए हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं। अपील के लिए सभी के पास एक महीने का समय होगा। लेकिन कांग्रेस के दोनों नेताओं की विधायकी को सजा से कोई खतरा नहीं है। कानून के मुताबिक 2 साल से ज्यादा की सजा होने पर ही विधायकों और सांसदों की सदस्यता रद्द की जाती है।

गुजरात योग बोर्ड के नाम हैं दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

एक योग सत्र में 1,47,952 लोगों ने भाग लिया

गांधीनगर ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता के परिणामस्वरूप हमारी प्राचीन परंपरा समान योग को आज वैश्विक पहचान मिली है। प्रधानमंत्री के प्रस्ताव के बाद 2014 से 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया और विश्वभर के लोगों ने योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाया है। गुजरात राज्य में योग की परंपरा को आगे बढ़ाने में गुजरात राज्य योग बोर्ड (जीएसवाईबी) का योगदान महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल तथा खेल-कूद, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ विभाग के राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में गुजरात राज्य योग बोर्ड इस 21 जून को 6 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। 21 जून, 2019 को स्थापना हुई, तब से गुजरात राज्य योग बोर्ड राज्य के नागरिकों का स्वास्थ्य सुख सुनिश्चित कर रहा है।

'विकास भी, विरासत भी' के विजन को साकार करने में गुजरात राज्य योग बोर्ड की उल्लेखनीय भूमिका: गुजरात राज्य योग बोर्ड ने अपनी स्थापना के 6 वर्ष के भीतर ही अभूतपूर्व मील के पत्थर हासिल किए हैं। मार्च 2025 तक जीएसवाईबी ने 1.5 लाख से अधिक योग प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है और 1500 से अधिक प्रोफेशनल कोचेस को प्रमाणित किया है। गुजरात राज्य योग बोर्ड के समर्पित प्रयासों के फलस्वरूप राज्यभर में 5,000 से अधिक स्थानों पर दैनिक योगाभ्यास की एक प्रथा शुरू हुई है और 5 लाख से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल रहा है। योग की विरासत द्वारा नागरिकों का व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित कर जीएसवाईबी प्रधानमंत्री के 'विकास भी, विरासत भी' के विजन को साकार करने में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

'स्वस्थ गुजरात, मेदस्विता मुक्त गुजरात' अभियान में जीएसवाईबी की महत्वपूर्ण भूमिका: उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में प्रारंभ हुए 'स्वस्थ गुजरात, मेदस्विता मुक्त गुजरात' अभियान में गुजरात राज्य योग बोर्ड की भूमिका महत्वपूर्ण है। बोर्ड अंतर्गत योगाभ्यास द्वारा दीसिबेन धोळकिया ने चार महीनों में अपना 15 किलो वजन कम किया है।

गुजरात राज्य योग बोर्ड के नाम पर दर्ज हैं दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

योग को लेकर गुजरात राज्य योग बोर्ड द्वारा शुरू किए गए जन अभियान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक सराहना मिली है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2023 के उपलक्ष्य में गुजरात राज्य योग बोर्ड द्वारा सूरत में आयोजित योग सत्र में 1,47,952 लोगों ने भाग लिया था। ऐसा पहली बार हुआ कि विश्व में इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया हो और यह रिकॉर्ड गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ था। इसके बाद 1 जनवरी, 2024 को दूसरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना, जब 50,000 से अधिक लोगों ने प्रतिष्ठित मोढेरा सूर्य मंदिर सहित 108 स्थानों पर एक साथ सूर्य नमस्कार किया था। गुजरात राज्य योग बोर्ड द्वारा आयोजित योग शिविर तथा योगोत्सव 2023 जैसे कार्यक्रमों में अहमदाबाद, वडोदरा एवं ग्रामीण क्षेत्रों से लाखों लोगों ने भाग लिया है। इसके अतिरिक्त; विशेष समर कैंप के माध्यम से बच्चों का योग से परिचय हुआ है और उन्हें बचपन से ही स्वस्थ दिनचर्या आत्मसात करने का प्रोत्साहन मिला है।

हिमाचल में 2023 में आई आपदा के लिए मोदी सरकार ने अब दिए 2 हजार करोड़ रुपये

शिमला, एजेंसी। *हिमाचल प्रदेश में 2023 में मॉनसून सीजन में भारी बारिश के कारण प्रदेश को 12 हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। अब मोदी सरकार ने आपदा में हुए नुकसान की भरपाई के लिए 2 हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसकी जानकारी दी है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति ने हिमाचल को वर्ष 2023 के बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने जैसी आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण के लिए 2006.40 करोड़ की सहायता राशि स्वीकृत की। गृह मंत्रालय ने आपदा से राहत व पुनर्वास के लिए दिसंबर 2023 में भी हिमाचल को 633.73 करोड़ की अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी थी। पोस्ट में बताया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आपदाओं के समय राज्यों के साथ बिना किसी भेदभाव के मजबूती से खड़ी है। इसी दिशा में, वित्त वर्ष 2024-25 में, मोदी सरकार द्वारा राज्यों को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के अंतर्गत 25,425.16 करोड़ की राशि प्रदान करना आपदा प्रबंधन के प्रति संवेदनशीलता और तत्परता का प्रतीक है। उधर, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि हिमाचल में वर्ष-2023 में बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने की प्राकृतिक आपदाओं के चलते राहत राशि के रूप में 2006.40 करोड़ रुपये की को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।*

महिला को घर से बाहर बुलाया और काट दिया गला, डायन समझते थे लोग

सरायकेला, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले से अंधविश्वास और कुप्रथाओं से जुड़ी दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां डायन होने के संदेह में 37 वर्षीय महिला की बेरहमी से हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में मृतका के ससुर, ननद और अन्य परिजनों समेत कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह वारदात 12 जून की रात की बताई जा रही है, जब सरायकेला-खरसावां जिले के एक गांव में रहने वाली मोंग्रो मुंडा नाम की महिला को उसके ही घर से बाहर बुलाया और फिर तेज धारदार हथियार से उसका गला काट दिया। पुलिस का कहना है कि मोंग्रो की हत्या उसके

पति की शिकायत पर पुलिस ने ससुर-ननद समेत 6 लोगों को किया गिरफ्तार

परिजनों और गांव के कुछ लोगों ने मिलकर की है।

एसपी के मुताबिक मोंग्रो मुंडा के ससुर सोयना मुंडा, ननद डॉली मुंडा और एक दूर के रिश्तेदार को शक था कि वह काला जादू या तंत्र-मंत्र करती है। उसके कारण घर में समस्याएं बढ़ रही हैं। इस शक के चलते तीनों ने मिलकर उसे खत्म करने की साजिश रची। पुलिस जांच में सामने आया है कि इन तीनों ने मोंग्रो की हत्या के लिए तीन बाहरी लोगों को 2 लाख रुपए भी दिए थे। मोंग्रो को घर से बाहर बुलाया और फिर उन हत्यारों ने उसका गला रेत दिया। यह सब इतने सुनियोजित ढंग से हुआ कि शुरुआत में पुलिस को भी कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका।

महाराष्ट्र सरकार ने पहली से पांचवी कक्षा तक हिंदी की अनिवार्य

हिंदी कोई राष्ट्र भाषा नहीं यह सिर्फ एक राज्य भाषा है: राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने का आदेश दिया है। इसको लेकर बुधवार को बवाल खड़ा हो गया। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने जो पहली से पांचवीं तक हिंदी के सख्ती का फैसला लिया है, 17 जून को मैंने पत्र लिखा था कि ऐसा ना करें। हिंदी कोई राष्ट्र भाषा नहीं है।

राज ठाकरे ने कहा कि सीएम फडणवीस ने मुझसे कहा था कि हम हिंदी अनिवार्यता का फैसला वापस

ले रहे हैं, जिसके चलते मैंने पांच दिन पहले यह पत्र लिखा था जो अब मैं स्कूल के प्रिंसिपल को भेज रहा हूं। उन्होंने कहा कि हिंदी सिर्फ एक राज्य भाषा है राष्ट्र की नहीं है। नए बच्चों को यह सब ना सिखाएं। उसे जो भाषा सिखनी है, बड़े होकर समझ जाएगा। आईएएस लॉबी का दबाव है क्या? तो यहां तीसरी भाषा का दबाव क्यों है?

उन्होंने कहा कि यूपीप में तीसरी भाषा कौन सी सिखाएंगे। शिक्षा मंत्री कह रहे हैं, यह ऑप्शनल भाषा है तो 6वीं से रखो ना पहली से क्यों रखना है। यह तो राज्य भाषा है, तो यह भाषा क्यों थोप रहे हैं? यूपी, बिहार और एमपी में तीसरी भाषा क्या मराठी सिखाएंगे। गुजरात में भी हिंदी जरूरी नहीं है। महाराष्ट्र सरकार के आदेश के मुताबिक मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवी कक्षा तक के सभी छात्र अब अनिवार्य रूप से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन करेंगे। जो छात्र हिंदी के विकल्प के रूप में कोई अन्य भाषा सीखना चाहते हैं, उनकी संख्या 20 से ज्यादा होनी चाहिए।

भारत की बढ़ेगी समुद्री ताकत, यह युद्धपोत आत्मनिर्भरता का प्रतीक

देश को मिला पहला शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला

विशाखापट्टनम, एजेंसी। देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट आईएनएस अर्णाला का बुधवार को कमीशन हुआ। इसे विशाखापट्टनम के नेवी डॉकयार्ड में कमीशन किया गया। कार्यक्रम में चीफ गेस्ट सीडीएस जनरल अनिल चौहान इस अवसर पर मौजूद थे।

महाराष्ट्र के वसई के ऐतिहासिक अर्णाला किले के नाम पर इस आईएनएस का नाम रखा गया है। यह जहाज हिंद महासागर में नौसेना की दमदार मौजूदगी के लिए डिजाइन किया गया है। जो उथले पानी में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाने, ट्रैक और डिएक्टिवेट करेगा। अर्णाला को 8 मई को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था।

आज की कमीशनिंग सेरेमनी 16 एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कैटेगरी के जहाजों में से पहले जहाज को भारतीय नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल करने का प्रतीक रही।

मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता और मेसर्स एलएंडटभ् शिपबिल्डर्स के साथ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत डिजाइन किया गया अर्णाला डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भर भारत की सफलता का प्रमाण है।

नकदी और जले नोट मामले में घिरे जस्टिस वर्मा का सीजेआई को जवाब

ना इस्तीफा दूंगा ना ही स्वैच्छिक रिटायरमेंट, मेरा पक्ष नहीं सुना गया

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली स्थित अपने आवास से जले हुए नोट मिलने के विवाद के बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा पर इस्तीफा देने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने का दबाव डाला गया, लेकिन उन्होंने इसे खारिज कर दिया था। उन्होंने सीजेआई संजय खन्ना को

लिखे एक पत्र में इस पूरी प्रक्रिया को मूल रूप से अन्यायपूर्ण बताया और कहा कि उन्हें अपनी बात रखने का मौक नहीं दिया गया।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 6 मई 2025 लिखे गए अपने पत्र में जस्टिस वर्मा ने सीजेआई खन्ना के 4 मई के उस पत्र को खारिज कर दिया जिसमें उन्हें पद छोड़ने की सलाह दी गई थी। जस्टिस वर्मा ने लिखा- इस सलाह को स्वीकार करना ऐसा होगा जैसे मैं एक ऐसे फैसले को स्वीकार कर लूं जो पूरी तरह अनुचित है और जिसमें मुझे अपना पक्ष रखने तक का अवसर नहीं दिया गया। जस्टिस वर्मा ने यह भी कहा कि उन्हें समिति की रिपोर्ट मिलते ही केवल 48 घंटे में जीवन को बदल देने वाला फैसला लेने को कहा गया, जो न केवल अनुचित है बल्कि न्यायिक प्रक्रिया के मानकों का उल्लंघन भी है।

बता दें यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब दिल्ली में स्थित जस्टिस वर्मा के आवास के आउटहाउस में जली हुई करेंसी नोटों के मिलने की खबर सामने आई।

भारत के पास भी है एक आयरन डोम! सीईए ने क्यों किया ऐसा दावा

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश के स्थिर आर्थिक प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक बेहतर स्थिति में बना हुआ है। सीईए ने कहा कि कहा कि 2022 से संघर्ष एवं व्यवधान वैश्विक परिदृश्य का हिस्सा रहे हैं लेकिन वे अब अधिक अप्रत्याशित हो गए हैं। इससे समग्र परिवेश चाहे राजनीतिक, आर्थिक या सुरक्षा से संबंधित हो दुनिया भर में वृद्धि के लिए कहीं अधिक चुनौतियां पेश कर रहे हैं। नागेश्वरन ने पश्चिम एशिया में यूक्रेन-रूस, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्षों और शुल्क युद्धों के कारण बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के चलते भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे किए गए सवाल पर कहा कि आप कह सकते हैं कि सकारात्मक संभावनाओं पर कहीं न कहीं ये स्थितियां हावी हो रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है, यह कई देशों को प्रभावित कर रही हैं। सीईए ने कहा कि कुछ हद तक यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में वैश्विक परिवेश चाहे वह राजनीतिक हो, आर्थिक हो या सुरक्षा से संबंधित हो, वृद्धि के लिए काफी जटिल और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है न केवल भारत के लिए बल्कि कई देशों के लिए लगभग पूरी विश्व अर्थव्यवस्था के लिए। नागेश्वरन ने कहा कि लेकिन उनका मानना है कि इन परिस्थितियों में भी भारत वास्तव में अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में है। सीईए ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में भारत की 6.5 प्रतिशत की मौजूदा वृद्धि दर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

पहली बारिश में खुली पोल, दिल्ली के कई क्षेत्रों में जलभराव सड़कों पर लगा जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार को हुई तेज बारिश ने प्रशासन की तैयारियों की पोल खोल दी है। बारिश से कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया, अंडरपास में पानी भर गया और ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई। हालांकि इस बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी। ऐसी ही स्थिति आज यानी बुधवार को भी बनने की संभावना है। बता दें दिल्ली में अभी प्री मॉनसून बारिश हो रही है और जल्द ही मॉनसूनी बारिश शुरू हो जाएगी। भारी बारिश के कारण दिल्ली के अंडरपास, पुल, आईटीओ, और कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया, जिससे वाहनों की आवाजाही पर असर पड़ा। वहीं खराब मौसम के चलते दोपहर 3 से 4 बजे के बीच दिल्ली हवाई अड्डे पर 12 उड़ानों का रूट डायवर्ट किया गया। मानसून से पहले नालों की सफाई और जलभराव से निपटने के दावे किए गए।

बिहार की राजनीति में बढ़ता पीके का कद.. किस दल की लुटिया डूबो देगा

तेजस्वी की नींद हराम, एनडीए में भी बढ़ी बैंचेनी

पटना, एजेंसी। बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के बीच प्रशांत किशोर का यह बयान कि हम या 200 सीटें जीतने वाले हैं, या 4-5 पर सिमट जाएंगे। पीके का यह बयान बिहार के गली-गली में गूंज ही रहा है, इस बयान ने नेताओं की नींद भी गायब कर रखी है। बिहार चुनाव से पहले पीके की पॉलिटिक्स ने लालू के लाल तेजस्वी यादव की नींद हराम कर दी है, सिर्फ राजद ही नहीं एनडीए में भी खौफ पैदा कर दिया है। एनडीए नेताओं ने बोलना शुरू कर दिया है कि पीके की राजनीति में इस बार कुछ बड़ा होने वाला है। दो साल पहले जब प्रशांत किशोर ने अपनी 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा बिहार में शुरू की थी, तब नेता और लोग सियासी नौटंकी मान रहे थे। लेकिन 2024 में जन सुराज पार्टी का गठन और उसके ठीक बाद विधानसभा के

चार सीटों के उपचुनाव में 10 प्रतिशत वोट हासिल कर पीके ने तहलका मचा दिया।

पीके, जो कभी नरेंद्र मोदी की 2014 में जीत और 2015 में बिहार में महागठबंधन जीत के सूत्रधार थे, अब खुद सियासत के मैदान में हैं। उनकी पहली बड़ी कामयाबी थी 2012 के गुजरात विधानसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी की जीत, जहां उन्होंने 'चाय पे चर्चा' और '3डी रैलियों' जैसे इनोवेटिव कैंपेन तैयार किए। 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत ने उन्हें सियासी रणनीति का 'चाणक्य' बना दिया। लेकिन इसके बाद पीके ने 2015 में नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार की जीत, 2021 में ममता बनर्जी की तृणमूल जीत और डीएमके की तमिलनाडु में वापसी सभी में पीके का दिमाग था।

2024 के बिहार विधानसभा के उपचुनावों में जन सुराज का प्रदर्शन भले ही कमजोर दिख रहा हो, पार्टी की चारों सीटों पर हार हुई। लेकिन पार्टी ने 10 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जो एक नए खिलाड़ी के लिए छोटी बात नहीं। पीके ने दावा किया कि उनका असली मुकाबला एनडीए के साथ है न कि राजद के साथ। वहीं राजद और महागठबंधन ने पीके को 'बीजेपी की बी-टीम' करार दिया है। मीसा भारती ने इतना तक कह दिया हैं कि 'पांडे (पीके की जाति) यादवों को गाली देने का धंधा करते हैं' बिहार चुनाव जिस तरह से प्रशांत किशोर मेहनत कर रहे हैं, उससे सियासत हिल जाए हैरानी नहीं होगी। बताया जा रहा हैं कि आरएसएस का एक वर्ग पीके के सपने को साकार करने में लगा है।

ईरान और इराक में भी हैं कई पवित्र धर्मस्थल, जंग के चलते कई तीर्थयात्री फंसे

धर्मगुरु ने भारतीय तीर्थयात्री को वहां से निकालने की मोदी सरकार से की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। सऊदी अरब के मक्का शहर में काबा को इस्लाम का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। हर साल दुनिया भर के लाखों मुसलमान हज करने मक्का जाते हैं लेकिन जो हज पर नहीं जा पाते हैं ऐसे मुस्लिम तीर्थयात्री (जायरीन) ईरान और इराक के पवित्र धर्मस्थलों में जाते हैं। भारत के भी ऐसे तीर्थयात्री जो हज पर जाने का खर्च नहीं उठा सकते, वे ईरान और इराक के धार्मिक स्थलों पर जाते हैं। हर साल की तरह इस साल भी बड़ी संख्या में मुस्लिम तीर्थयात्री ईरान और इराक गए हैं, लेकिन इजराइल-ईरान में जंग छिड़ने के बाद ये तीर्थयात्री वहां फंस गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच जंग के हालात की वजह से हवाई उड़ाने बंद हैं। इस वजह से तीर्थयात्री वहां फंसे हैं। इनमें से कई के पास पैसे खत्म हो गए हैं तो कुछ लोगों की दवाएं खत्म हो

चुकी हैं। इस बीच शिया धर्मगुरु मौलाना सैफ अब्बास ने मोदी सरकार से अपील की है कि वह बढ़ते इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच ईरान में फंसे भारतीय तीर्थयात्रियों को वहां से निकालकर स्वदेश लाए।

इस्लामिक वर्ल्ड में ईरान का एक अलग महत्व है। खासकर शिया मुस्लिमों के लिए काफी मायने रखता है क्योंकि यहां कई धार्मिक स्थल हैं। भारत से भी बड़ी संख्या में मुसलमान हर साल वहां तीर्थयात्रा करने जाते हैं। इमाम रजा का मजार यह ईरान का सबसे पवित्र शिया तीर्थस्थल है, जो मशहद में है। यहां आठवें इमाम अली अल-रिज़ा की मजार है। यह खोरासान प्रांत में है। इसे ईरान का एक आध्यात्मिक केंद्र माना जाता है। 2017 में इसे इस्लामिक दुनिया की सांस्कृतिक राजधानी घोषित किया गया था। हर साल करीब 2.5 करोड़ तीर्थयात्री मशहद जाते हैं। पूरे इस्लाम में इसे तीसरा सबसे पवित्र स्थल माना जाता है।

क्रोम शहर शिया धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां फातिमा मासूमह का मजार है। फातिमा मासूमह, इमाम रजा की बहन हैं। उन्हीं का मकबरा यहां स्थित है। यह मशहद के बाद शिया मुस्लिमों के लिए दूसरा पवित्र स्थल है। पूरे इस्लाम में इसे चौथा सबसे पवित्र स्थल माना जाता है। 17वीं शताब्दी में शाह अब्बास प्रथम ने इसे बनवाया था। क्रोम में ही जमकरान मस्जिद है। यह बारहवें शिया इमाम, इमाम जमान (महदी) से इसका ताल्लुक है।

शराब दुकान में घुसा चोर, 4 लाख चुराए जिसमें 3 लाख से ज्यादा की चिल्लर

सीसीटीवी में कैद हुई चोरी, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार माल भी बरामद

नागपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के नागपुर में चोरों के निशाने पर शराब दुकानें हैं। पिछले दो सप्ताह में चोरों ने शराब की दुकानों में कई चोरी की वारदातें की हैं। हाल ही में 16 जून को एक शराब की दुकान से चोर ने 4 लाख 87 हजार रुपए का कैश उड़ा दिया। आश्चर्य की बात यह है कि 4.87 में 3 लाख 75 हजार रुपए तो सिर्फ सिक्के ही थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीसीटीवी कैमरे के आधार पर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और उससे पूछताछ की जा रही है। उससे चोरी का कुछ माल भी बरामद कर लिया है। जानकारी के मुताबिक

सीसीटीवी में साफ दिख रहा है कि देर रात चोर ने शराब दुकान का शटर को बीच से ऊपर उठाकर दुकान में प्रवेश किया। यहां उसने दुकान में रखे रुपए चोरी कर लिए, जिसमें 3.75 लाख के सिक्के ही थे। शराब की दुकान में 30 से 35 हजार चिल्लर पैसे लगते हैं, इसलिए दुकानदार ने 5-10 और 20 के सिक्कों के अलग-अलग पैकेट बनाकर काउंटर में रखे थे।

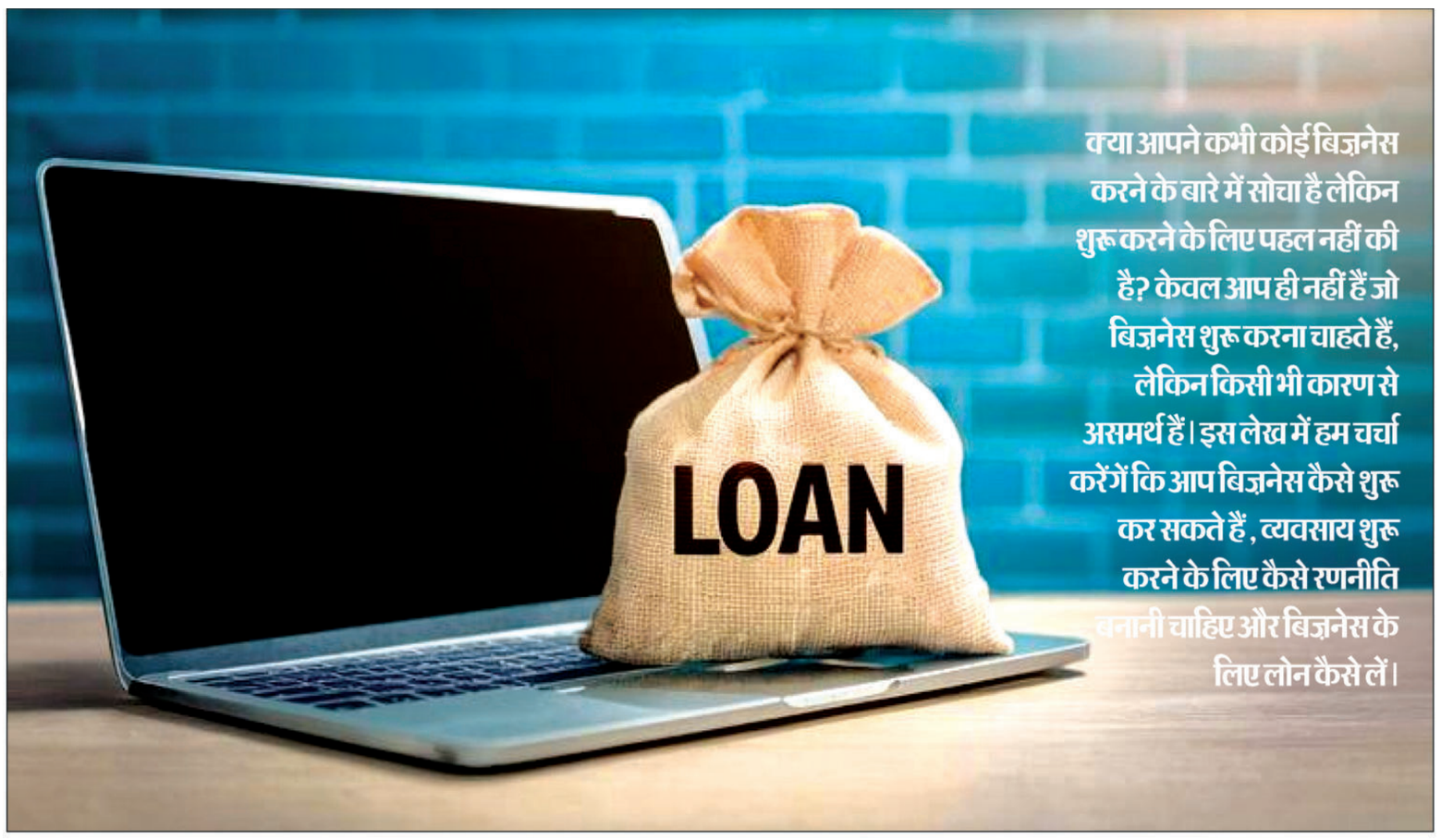

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

बिल्डिंग एसोसिएशन

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/ स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस जरूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की जरूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम
अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना
कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना
एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना
अकाउंट सिस्टम चुनना
एक वेबसाइट बनाना
सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की जरूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, द्वअ पेशेवरों, ॥क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान -एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

हाजिर जवाब होना भी जरूरी - किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल -अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स - गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं - अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (ख्र, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

संक्षिप्त समाचार

मीडिया सीरीज प्रीमियर लीग बैडमिंटन स्पर्धा आज से

इन्दौर। इन्दौर प्रेस क्लब के तहत इन्दौर के पत्रकारों की मीडिया सीरीज प्रीमियर लीग बैडमिंटन-5 स्पर्धा गुरूवार 19 जून से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय परिसर जिम्नेजियम बैडमिंटन हाल, खंडवा रोड़ में होगी। तीन दिवसीय स्पर्धा में हरेक खिलाड़ी को पुरस्कार दिया जाएगा। स्पर्धा आयोजक इन्दौर प्रेस क्लब उपाध्यक्ष दीपक कर्दम ने बताया कि 19 से 21 जून तक होने वाली इस बैडमिंटन स्पर्धा का यह पांचवां साल हैं , स्पर्धा की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं, मुकाबले 19जून को सुबह 10.30 बजे से होंगे, पहले दिन पहले दौर के मुकाबले खेले जाएंगे। स्पर्धा में गत विजेता रफी मोहम्मद शेख को पहला क्रम और गत उपविजेता राहुल शेवगांवकर को दूसरा क्रम दिया गया हैं। पूर्व विजेता धर्मेश यशलहा और विजय रांगणेकर को क्रमश: तीसरा और चौथा क्रम हैं। स्पर्धा में 65 प्रविष्टियां आई हैं।

एमएलसी टी20 लीग में मैक्सवेल ने 49 गेंदों में ही शतक लगा दिया

कैलीफोर्निया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल ने मेजर लीग क्रिकेट-2025 (एमएलसी) में वाशिंगटन फ्रीडम की ओर से खेलते हुए 49 गेंदों में ही नाबाद 106 रन बनाकर एक एक अहम उपलब्धि हासिल की है। मैक्सवेल ने अपनी इस पारी में 13 छक्के और 2 चौके लगाये। इसी के साथ ही मैक्सवेल टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक आठ शतक लगाने बल्लेबाजों में शाकिल हो गये। इससे रोहित शर्मा , माइकल क्लिंगर, डेविड वॉर्नर, जोस बटलर और आरोन फिंच के नाम भी इतने ही शतक हैं। वहीं अब तक टी20 प्रारुप में सबसे अधिक 22 शतक वेस्टइंडीज के आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल के नाम हैं। सबसे ज्यादा टी20 शतक जड़ने के मामले में यह सभी बल्लेबाज संयुक्त रूप से चौथे पायदान पर हैं।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट के लिए तेज गेंदबाज एडी जैक को शामिल किया

लंदन। मेजबान इंग्लैंड टीम ने 20 जून से भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए 6 फुट 4 इंच लंबे तेज गेंदबाज एडी जैक को शामिल किया है। इंग्लैंड टीम प्रबंधन का मानना है कि लीड्स की पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। ऐसे में जैक और अधिक प्रभावी हो सकते हैं। जैक ने भारत ए के खिलाफ मैच में इंग्लैंड लायंस की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। उन्हें जोश टंग के बैकअप के रूप में टीम में रखा गया है क्योंकि टंग भारत ए के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे।

शास्त्री बोले, जब बिरयानी खाने से रोकने पर शमी ने फेंक दी थी प्लेट

मैच में पांच विकेट लेकर दिलायी थी जीत

शमी की प्लेट में काफी बिरयानी रखी थी

एक वीडियो में, शास्त्री ने कहा, यह जोहान्सबर्ग टेस्ट का आखिरी दिन था। उस मैच में काफी गर्मी थी। मुकाबले के आखिरी मेजबान टीम को जीत के लिए 240 रन चाहिए थे। उसे 100 रन और बनाना था और आठ विकेट उसके पास थे। लंच के समय जब मैं वहां से गुजर रहा था तो शमी की प्लेट में काफी बिरयानी रखी थी.

मुम्बई ■ एजेंसी

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी आजकल फिटनेस हासिल करने में लगे हैं। शमी फिट नहीं होने के कारण काफी समय से टीम से बाहर चल रहे हैं। उन्हें इसी कारण इंग्लैंड दौरे के लिए भी शामिल नहीं किया गया है। शमी खेल के साथ ही लजीज खाने के भी शौकीन हैं और बिरयानी उनकी पसंदीदा डिश है। इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एक अहम खुलासा किया है। शास्त्री के अनुसार एक समय जब शमी को बिरयानी खाने के लिए मना किया गया तो उन्होंने गुस्से में आकर प्लेट ही फेंद फेंक दी थी। इसके बाद शमी का गुस्सा मैदान पर निकला और उन्होंने पांच विकेट ले लिए। शास्त्री ने कहा कि उस समय के गेंदबाजी कोच भरत अरुण ने इस मैच के बाद शमी को खूब बिरयानी खिलाई क्योंकि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम को बड़ी जीत दिलाई थी। यह मैच जनवरी 2018 का है जब भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जोहान्सबर्ग में तीसरा टेस्ट खेला गया था. हालांकि भारतीय टीम सीरीज हार चुकी थी लेकिन वे जीत के साथ दौरे का अंत करना चाहते थे. चौथे दिन दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 241 रन का लक्ष्य मिला पर वह 177 रनों पर ही सिमट गयी थी तब शमी ने पांच विकेट लिए थे। . वीडियो में भरत अरुण ने बाद में कहा, तेरी भूख इधर खत्म हो गई? शास्त्री ने कहा कि शमी ने गुस्से में प्लेट को एक तरफ फेंक दिया और उसे खाने से मना कर दिया।

बुमराह बोले, मैंने कप्तान बनने से इंकार कर दिया था

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद मुझे कप्तान बनने का प्रस्ताव दिया गया था पर मैंने इंकार कर दिया था। उसी के बाद इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है। बुमराह ने कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें कप्तान बनाना चाहता था पर वह तैयार नहीं थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में बुमराह ने कहा कि वह बार-बार चोटिल होने के कारण सभी पांच टेस्ट नहीं खेल सकते। उन्होंने इस दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम को किसी प्रकार का नुकसान न हो। बुमराह ने कार्तिक को बताया, इसमें कोई कहानी या विवाद जैसी बात नहीं है।

लंदन में एटीपी टेनिस चैम्पियनशिप में जीत के बाद उत्साहित नजर आये स्पेन के कार्लोस अल्कारेज।

हिमाचल में महिला क्रिकेट विश्वकप में दिख सकती हैं सूबे की तीन क्रिकेटर

धर्मशाला, एजेंसी। देश में सितंबर में होने जा रहे महिला क्रिकेट विश्वकप में इस बार भारतीय टीम में तीन हिमाचली क्रिकेटरों को भी जगह मिल सकती है। हिमाचल से तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर, हरलीन देओल और तनुजा कंवर को महिला विश्व कप में खेलने का मौका मिल सकता है। रेणुका चोटिल होने के कारण पीछे तीन महीनों से एनसीए बंगलूरू में इलाज करवा रही हैं। वह जल्द ही पूरी तरह से फिट होकर भारतीय टीम में वापसी करेंगी।

हरलीन देओल का इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में चयन हुआ है। वह 28 जून से इंग्लैंड में ट्राई सीरीज में खेलते नजर आएंगी। तनुजा कंवर ने हाल ही भारतीय महिला टीम में डेब्यू किया है। महिला क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 30 सितंबर को होगा। यह टूर्नामेंट का ओपनिंग मैच भी होगा। इससे करीब एक माह पहले ही बीसीसीआई की ओर भारतीय महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी जाएगी, ताकि कैंप में खिलाड़ियों का आपसी तालमेल बन सके।

रेणुका ठाकुर ने अब तक 19 एक दिवसीय मैच खेले हैं, जिसमें 35 विकेट किए हैं। रेणुका ने 29 रन पर पांच विकेट भी लिए हैं। यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। वनडे में रेणुका ठाकुर ने चार बार पांच से विकेट हासिल किए हैं। जबकि ऑलराउंडर हरलीन ने अब तक 24 वनडे मैचों की 23 पारियों में एक शतक और तीन अर्धशतक की मदद से 718 रन बनाए हैं। वहीं, तनुजा कंवर ने दो मैचों में दो विकेट हासिल किए हैं।

एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि हिमाचल की तीन बेटियां क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। उम्मीद है कि इस बार भारत में होने वाले महिला क्रिकेट विश्व कप में हरलीन देओल, रेणुका सिंह और तनुजा कंवर को देश की टीम से खेलने का मौका मिले।

विंबलडन प्रशासन ने उठाया यह कदम

टेनिस स्टार रादुकानू का पीछा करने वाले पर हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। शुरू होने वाले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए सार्वजनिक मतपत्र के माध्यम से टिकट के लिए आवेदन करने की कोशिश की, लेकिन उसके नाम को हटा दिया गया।

टेनिस खिलाड़ी ऐमा रादुकानू का पीछा करने के आरोपी ने विंबलडन के टिकट हासिल करने की कोशिश की, लेकिन ऑल इंग्लैंड क्लब की सुरक्षा प्रणाली ने उसे ऐसा करने से रोक दिया।

ब्रिटिश मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बीबीसी और अन्य ने बताया कि उस व्यक्ति ने 30 जून से शुरू होने वाले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के लिए सार्वजनिक मतपत्र के माध्यम से टिकट के लिए आवेदन करने की कोशिश की, लेकिन उसके नाम को हटा दिया गया। फरवरी में दुबई चैंपियनशिप में उस व्यक्ति ने 22 वर्षीय राडुकानू के प्रति 'अड़ियल व्यवहार' दिखाया था जो एक मैच के दौरान भीड़ में उसे देखकर परेशान हो गई थीं। इससे एक दिन पहले उस व्यक्ति ने राडुकानू के लिए एक पत्र छोड़ा था और उसकी तस्वीर ली थी जिससे 2021 की अमेरिकी ओपन चैंपियन परेशान हो गईं थी।

व्यापार समाचार

जापान के निर्यात में मई महीने में 1.7 फीसदी की गिरावट

तोक्यो। जापान के निर्यात में मई महीने में गिरावट आई है। अमेरिका को मोटर वाहनों के निर्यात में सालाना आधार पर करीब 25 प्रतिशत की भारी गिरावट इसकी मुख्य वजह रही। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि निर्यात में सालाना आधार पर 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई जो विश्लेषकों द्वारा पूर्वानुमानित गिरावट से कम है। आयात में 7.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जो कमजोर घरेलू मांग को दर्शाता है। यह अप्रैल में दर्ज दो प्रतिशत की गिरावट से भी बदतर है। वहीं व्यापार घाटा मई में 637.6 अरब येन या 4.4 अरब डॉलर रहा। जापान अभी तक शुल्क मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के साथ किसी समझौते पर नहीं पहुंच पाया है।

डीएलएफ ने गुरुग्राम में 11,000 करोड़ में 1,164 लग्जरी अपार्टमेंट बेचे

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ लिमिटेड ने गुरुग्राम में 1,164 लक्जरी अपार्टमेंट करीब 11,000 करोड़ रुपये में बेच दिए हैं। डीएलएफ ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में अपनी नवीनतम लक्जरी पेशकश डीएलएफ प्रिवाना नॉर्थ को बेचने की घोषणा की। यह बिक्री परियोजना शुरू होने के केवल एक सप्ताह के भीतर करीब 11,000 करोड़ रुपये में की गई। यह परियोजना गुरुग्राम के सेक्टर 76 व 77 में 116 एकड़ की एकीकृत टाउनशिप डीएलएफ प्रिवाना का हिस्सा है डीएलएफ होम डेवलपर्स के एक व?रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह डीएलएफ के व्यापक स्तर के आवास उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण को बताता है। उन्होंने कहा कि मजबूत बिक्री प्रतिक्रिया डीएलएफ की पेशकशों के लिए स्पष्ट मांग को दर्शाती है जो हमारी पिछली परियोजनाओं की सफलता से प्रेरित है।

सरकार आयकर विधेयक के प्रावधान में कर सकती है बदलाव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आयकर विधेयक, 2025 के उस प्रावधान में कुछ जरूरी बदलाव करने पर ?विचार कर सकती है जिसके तहत गैर-कॉरपोरेट करदाताओं के लिए न्यूनतम वैकल्पिक कर (एएमटी) का दायरा बढ़ा दिया गया था। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस श्रेणी में पार्टनरशिप फर्म और लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) फर्म जैसी करदाता आती हैं जो केवल दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) कमाती हैं। विधेयक में ऐसे गैर-कॉरपोरेट करदाताओं के लिए अध्याय 6-ए के तहत कटौती का संदर्भ हटा दिया था। ऐसे में लग रहा था कि किसी भी कर लाभ का का दावा न करने वाले करदाताओं को भी वैकल्पिक न्यूनतम कर देना पड़ सकता है। गैर-कॉरपोरेट करदाताओं से उपकर और अधिभार के अलावा 18.5 फीसदी न्यूनतम वैकल्पिक कर लिया जाता है।

पॉलिसीधारक के साथ नामित के निधन से फंसा पेंच

विमान हादसे के बाद मुश्किल में बीमा कंपनियां

अहमदाबाद, एजेंसी। एयर इंडिया विमान हादसे ने जहां सैकड़ों लोगों की जान ले ली, वहीं इसके बाद उनके बीमा दावों से जुड़ी कानूनी और पारिवारिक जटिलताएं भी सामने आ रही हैं। दरअसल, पॉलिसीधारक और नॉमिनी दोनों की मौत होने पर उत्तराधिकारियों की पहचान और सहमति की प्रक्रिया काफी चुनौतीपूर्ण बन गई है।

12 जून को लंदन जा रही एयर इंडिया के विमान हादसे में मारे गए यात्रियों और घटनास्थल पर मौजूद लोगों के बीमा दावों को निपटाने में बीमा कंपनियों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण यह है कि कई मामलों में बीमा पॉलिसीधारक और उनके द्वारा नामित व्यक्ति (नॉमिनी) दोनों ही इस दुर्घटना में मारे गए हैं। इस हादसे में 241 लोग, जिनमें यात्री और क्रू सदस्य शामिल थे, मारे गए हैं। जबकि एक शख्स चमत्कारिक रूप से बच गया है। वहीं घटनास्थल पर मौजूद 29 जमीन पर मौजूद लोगों की जान चली गई थी। कई ऐसे मामले सामने आए हैं जहां पूरा परिवार ही इस दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। एअर इंडिया के इस विमान में 169 भारतीय नागरिक, 52 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक और एक कनाडाई नागरिक सवार था।

बीमा दावों को लेकर क्या हो रहा है?: इस हादसे के तुरंत बाद भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने बीमा कंपनियों को निर्देश दिया कि वे मृतकों की जानकारी अपने रिकॉर्ड से मिलाएं और बीमा दावों में कोई देरी या अस्वीकृति न करें, बशर्ते मृतक की पहचान पक्की हो। इसके बाद प्रमुख बीमा कंपनियों जैसे, एलआईसी, न्यू इंडिया एश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस, बजाज एलियांज, टाटा एआईजी ने अहमदाबाद सिविल अस्पताल में हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं ताकि पीड़ित परिवारों की सहायता की जा सके।

नामित व्यक्ति की भी मौत, अब क्या?: एलआईसी के अधिकारी आशीष शुक्ला ने बताया कि कंपनी को अब तक 10 दावे मिले हैं। एक मामला ऐसा है जिसमें बीमित व्यक्ति ने अपने जीवनसाथी को नॉमिनी बनाया था, लेकिन दोनों की ही हादसे में मौत हो गई। ऐसे मामलों में सामान्य प्रक्रिया यह है कि उत्तराधिकार प्रमाण पत्र मांगा जाता है, लेकिन इस हादसे को देखते हुए कंपनियां नियमों में थोड़ी राहत दे रही हैं। उनके अनुसार, यदि बीमित व्यक्ति और नॉमिनी दोनों की मौत हो गई है, तो हम क्लास वन उत्तराधिकारियों की जांच करते हैं, जैसे कि उनके बच्चे। यदि बच्चे एक से अधिक हैं, तो सभी को आपसी सहमति पत्र देना होता है और एक इंडेम्निटी बॉन्ड कंपनी को सौंपना होता है।

वहीं इफको टोकियो के दावों के प्रबंधक मनप्रीत सिंह सभरवाल ने बताया कि एक कंपनी के निदेशक और उनकी पत्नी – दोनों ही इस हादसे में मारे गए। कंपनी ने अपने कर्मचारियों का ग्रुप बीमा इफको टोकियो से करवा रखा था। जबकि टाटा एआईजी के निशाल बुच ने कहा कि उन्हें सात दावे मिले हैं, जिनमें से एक मामला भी ऐसा है जहां बीमित व्यक्ति ने अपनी पत्नी को नामित किया था और दोनों की ही मृत्यु हो गई।

अन्य बीमा दावे-केवल जीवन बीमा ही नहीं: न्यू इंडिया एश्योरेंस के अधिकारी प्रकाश खांचंदानी ने बताया कि उन्हें अब तक सात दावे मिले हैं – जिनमें पांच व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा से और दो समुद्री माल बीमा से संबंधित हैं। एक माल बीमा दावा 6.5 लाख का निपटा भी दिया गया है। उन्होंने बताया कि व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के मामलों में अभी नामित व्यक्ति के कागजात आना बाकी हैं क्योंकि परिवार शवों के अंतिम संस्कार में व्यस्त हैं। वहीं बजाज एलियांज के क्षेत्रीय प्रबंधक निमिष जोशी ने बताया कि उन्हें चार दावे मिले हैं, जिनमें एक समुद्री माल बीमा का ?55 लाख का दावा पहले ही निपटा दिया गया है। बाकी तीन यात्रा बीमा के दावे 10 लाख के हैं।

घरेलू आय बढ़ने की भी उम्मीद

2025-26 में 6.5% से ज्यादा रहेगी भारत की जीडीपी ग्रोथ- आईसीआरए का अनुमान

कोलकाता, एजेंसी। आईसीआरए ने 2025-26 वित्त वर्ष में भारत के जीडीपी को लेकर अनुमान जताया है कि यह 6.5 फीसदी से अधिक रह सकती है। आईसीआरए को उम्मीद है कि कई सकारात्मक कारकों के चलते भारत की अर्थव्यवस्था अगले वित्त वर्ष में बेहतर प्रदर्शन कर सकती है।

प्रमुख रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने अपने ताजा अनुमान में कहा है कि 2025-26 वित्त वर्ष में भारत की असली सकल घरेलू उत्पाद बढ़ोतरी 6.5 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। वहीं, सकल मूल्य वर्धन (ग्रॉस वैल्यू एडेड) की बढ़ोतरी 6.3 प्रतिशत से ऊपर रहने की संभावना जताई गई है। आईसीआरए ने बताया कि ग्रामीण मांग मजबूत बनी रहेगी, जिसका कारण रबी की फसलों से होने वाली आमदनी और जलाशयों का सामान्य से अधिक जलस्तर है।

महंगाई और घाटे को लेकर अनुमान: आईसीआरए के अनुसार, खुदरा महंगाई 4.2 प्रतिशत से ऊपर रह सकती है। वहीं थोक महंगाई 2.7 प्रतिशत से अधिक रह सकती है। इस दौरान राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जबकि चालू खाता घाटा -1 फीसदी रह सकता है।

आमदनी बढ़ाने वाले कारक: आईसीआरए के अनुसार, 2025-26 के बजट में इनकम टैक्स में राहत, ब्याज दरों में कटौती से कम ईएमआई, और खाद्य महंगाई में कमी से लोगों की घरेलू आय बढ़ने की उम्मीद है।

निर्यात और निवेश का हाल: इस दौरान माल निर्यात फिलहाल कमजोर रह सकते हैं। वहीं सेवा निर्यात की ग्रोथ माल निर्यात से बेहतर रहने की संभावना है। जबकि केंद्र सरकार का पूंजीगत खर्च 2025-26 में 10.1% बढ़ेगा, जिससे निवेश गतिविधियों को बल मिलेगा। हालांकि, निजी निवेश में थोड़ी तेजी आ सकती है, लेकिन निर्यात की धीमी गति और व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता बनी रह सकती है।

निवेश कर रहीं विदेशी कंपनियां

डाटा सेंटर-चिप निर्माण का प्रमुख केंद्र बन रहा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। एआई की बढ़ती मांग के बीच भारत, सिंगापुर और मलेशिया डाटा सेंटर और चिप निर्माण के बड़े केंद्र बन रहे हैं। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की मजबूत डिजिटल ताकत और सस्ती लागत विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही है।

पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के विकसित और विकासशील देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निवेश के प्रमुख गंतव्य (डेस्टिनेशन) बन गए हैं। इनमें भारत, सिंगापुर और मलयेशिया तेजी से डाटा केंद्र और चिप निर्माण परियोजनाओं के लिए प्रमुख गंतव्य बन रहे हैं। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट जारी की गई है, जिसका शीर्षक है- बाधाओं को पार कर रहा एआई। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब वैश्विक निवेश और व्यापार की रफ्तार धीमी हो रही है, तब भी एआई पर खर्च लगातार बढ़ रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया, हालांकि व्यापार और भू-राजनीतिक तनाव अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रहे हैं, फिर भी एआई की मांग इतनी ज्यादा है कि आपूर्ति कम पड़ जा रही है। इस अंतर को पाटने के लिए वैश्विक निवेशक डाटा केंद्र और सेमीकंडक्टर (चिप निर्माण) परियोजनाओं में पूंजी लगा रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि अमेरिका से बाहर एआई निवेश की हिस्सेदारी वहां आने वाले निवेश की तुलना में ज्यादा है, जो दिखाता है कि अमेरिकी तकनीकी (टेक) कंपनियां दुनिया भर में अपना विस्तार कर रही हैं।

इसमें आगे कहा गया, पूर्वी और दक्षिण-पूर्व एशिया के विकसित और विकासशील देश अब प्रमुख निवेश स्थल बन गए हैं। खास तौर पर भारत, सिंगापुर और मलेशिया तेजी से डाटा केंद्र और चिप निर्माण के लिए पसंदीदा गंतव्य बन रहे हैं। ये बाजार कम लागत, बढ़ती मांग और तकनीकी निवेश के लिए अनुकूल नीतियां प्रदान करते हैं।

अब देश के 73 प्रतिशत एटीएम में मिलेंगे 100 या 200 के नोट

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल ही में कुछ दिनों पहले देश के सभी बैंकों को निर्देश दिए थे कि वह अपने एटीएम में 100 और 200 रुपये के नोट लोगों को जरूर उपलब्ध कराएं, जिससे लोगों को नोट निकालने में दिक्कतों का सामना न करना पड़े। आरबीआई ने इस काम को करने के लिए बैंकों को 30 सितंबर 2025 तक की समयसीमा दी थी लेकिन आरबीआई के इस निर्देश का असर अभी से दिखने लगा है। दरअसल, एक रिपोर्ट के अनुसार देश के लगभग 73 प्रतिशत एटीएम ऐसे हो चुके हैं, जिनमें कम से कम एक कैसेट से 100 या 200 रुपये के नोट मिल रहे हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य याँत्रिकीय खण्ड रायसेन
दूरभाष क्र. 07482 – 292040 ईमेल :– eephrai@nic.in
क्रमांक/2425/लेखा./का0यं0/लो0स्वा0यों0/खण्ड/2025 रायसेन दिनॉक :– 16/06/2025

निविदा आमंत्रण सूचना

रायसेन जिले के निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण http://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा फार्म ऑनलाईन क्रय करने की अंतिम तिथि 30.06.2025 शाम 17:30 है एवं संशोधन केवल वैबसाइट पर देखे जा सकेगें।

क.	आनलाईन टेण्डर आई.डी. क	निविदा क्र.	निविदा आमंत्रण	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत राशि (रु. में)
1	2025_PHED_430908_1	06	प्रथम	रायसेन जिले के अंतर्गत विकासखंड बाड़ी के 224 ग्रामों में स्थापित 2193 हैण्डपंपों का संधारण कार्य, हैण्डपंपों में ग्रीसिंग, हैण्डपंपों का क्लोरीनेशन एवं सेम्पल एकत्रित करने का कार्य।	2631600.00

G14483/25

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
रायसेन

सामाजिक कल्याण तक उनकी पहुंच सुगम करने आधार कार्ड निर्मित कराने के उद्देश्य

निराश्रित बच्चों को कानूनी पहचान प्रदान करने और सामाजिक कल्याण हेतु 'साथी' अभियान प्रारंभ

रायसेन, निप्र। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) नई दिल्ली द्वारा निराश्रित बच्चों को कानूनी पहचान प्रदान करने और सामाजिक कल्याण तक उनकी पहुंच सुगम करने हेतु उनके आधार कार्ड निर्मित कराने के उद्देश्य से साथी राष्ट्रीय अभियान प्रारंभ किया गया है। निराश्रित बच्चों की कुल संख्या का मानचित्रण, पहचान व सर्वे करने और उनके आधार निर्मित करने के उद्देश्य से प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन श्री अनिल कुमार सोहाने के मार्गदर्शन में जिला साथी इकाई का गठन किया गया है। जिसकी अध्यक्ष श्रीमती हर्षिनी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रायसेन को नामांकित किया गया है। साथ ही

जिला बाल संरक्षण अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, सिविल सर्जन, किशोर इकाई अधिकारी, जिले के समस्त तहसीलदार एवं पैनल अधिवक्ताओं और पैरालीगल वालेंटियर्स को सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है।

साथी अभियान के सफल आयोजन एवं प्रचार-प्रसार हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा 18 जून को जिला साथी इकाई के सहयोग व समन्वय से ग्राम कटारिया, ग्राम माखनी, ग्राम अमरावत वाज्यासा एवं ग्राम बारला में जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। साथ ही उक्त ग्राम के आंगनबाड़ी केन्द्र व प्राथमिक शालाओं का भी दौरा किया जाकर आंगनवाडी कार्यकर्ताओं व शिक्षकों को अभियान के बारे में जानकारी दी जाकर उक्त अभियान में सहयोग प्रदान करने की अपील की गयी।

इन शिविरों में श्रीमती हर्षिनी यादव न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा व्यक्त किया गया कि संविधान के अनुच्छेद 39(ई) और (एफ) के उददेश्य अनुसार समान न्याय प्रदान करने के अंतर्गत साथी अभियान की शुरूआत की गयी है। सड़कों पर बेसहारा या आश्रयगृहों में रहने वाले ऐसे कई बच्चों के पास आधार कार्ड नहीं है जिससे वे विभिन्न बाल कल्याण कानूनों के तहत सरकारी लाभ, षिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सुरक्षा प्राप्त करने से वंचित हैं।

जल जीवन मिशन के कार्यो की जिला पंचायत सीईओ ने की समीक्षा

रायसेन, एजेंसी। जल जीवन मिशन अंतर्गत विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभा कक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत और उपाध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती भदौरिया ने जिले के सभी विकासखंडों के ग्रामों की नलजल योजना के कार्यों की अवयववार विस्तार से समीक्षा करते हुए कार्यो को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने धीमी गति से कार्य कर रहे ठेकेदारों को नोटिस जारी करने हेतु निर्देशित किया। विकासखंड गैरतगंज एवं बेगमगंज को 30 जून 2025 तक शत-प्रतिशत पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया एवं अन्य विकासखण्डों के ग्रामों की नलजल योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में विभागीय अधिकारी कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, सभी उपखण्ड के सहायक यंत्री, उपयंत्री एवं अनुबंधित ठेकेदार उपस्थित रहे।

जिला शिक्षा अधिकारी का हुआ तबादला, प्राचार्य को दे रहे आदेश, शिक्षकों को करो रिलीव

कई टीचर्स और तृतीय, चतुर्थ वर्ग श्रेणी के हुए ट्रांसफर पारिवारिक परेशानी के चलते हो रही दिक्कत

नर्मदापुरम, निप्र। शहर सहित जिले भर में शिक्षा विभाग के तबादले प्रशासनिक और स्वैच्छिक स्तर पर किए गए हैं । इसमें जिला शिक्षा अधिकारी से लेकर लेक्चरर , टीचर और तृतीय और चतुर्थ वर्ग श्रेणी के लिपिक कर्मचारी भी शामिल हैं। नर्मदापुरम जिले के जिला शिक्षा अधिकारी शत्रुंजय सिंह बिसेन का तबादला भोपाल हो गया है। नियम अनुसार उन्हें रिलीव होना चाहिए लेकिन शत्रुंजय सिंह बिसेन शहर सहित आसपास के प्राचार्यों को स्थानांतरण हुए टीचर को रिलीव करने के आदेश जारी कर रहे हैं।? शत्रुंज्य सिंह बिसेन का स्वयं भी ट्रांसफर हो चुका है। एक स्कूल के प्राचार्य ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी के फोन तक आ रहे हैं कि जिन टीचरों का तबादला हो गया है उन्हें रिलीव किया जाए। ज्ञात हो कि इसमें कई टीचर परेशान हो रहे हैं ।उन्हें ऐसी जगह ट्रांसफर किया है जिनसे उन्हें काफी दिक्कत हो रही है। घर में अकेले हैं , उनके परिजन की देखभाल करने वाले उनके अतिरिक्त कोई नहीं है लेकिन उसके बाद भी उनका तबादला किया गया।

ट्रांसफर होने के बाद दे रहे रिलीव करने के आदेश: गौरतलब है कि जिला शिक्षा अधिकारी का तबादला भोपाल हो गया है , लेकिन इसके बाद भी प्राचार्यों को शिक्षकों के रिलीव के आदेश दे रहे हैं। नियम अनुसार तो सभी के लिए बराबर हैं लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी ट्रांसफर होने के बाद आदेश दे रहे हैं।

जिले में कई टीचर सहित चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी हो रहे परेशान: शासन द्वारा हाल ही में स्वैच्छिक और प्रशासनिक स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू की गई है । इसके चलते कई टीचर्स और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को ऐसी जगह भेज दिया है जहां पर जाने में असमर्थ है । उनके घर में परेशानी है। वृद्ध माता पिता है , लेकिन इसके बाद भी उनका ट्रांसफर हुआ है। अपने निवास से दूर भेज दिया गया है। इसके साथ ही कई प्रशासनिक स्तर पर भी शिक्षा को ट्रांसफर हुए हैं जिन्हें दूर भेज दिया गया है। कई लिपिक और बाबू की पारिवारिक परेशानी भी है उनके घर में उनके वृद्ध माता-पिता हैं। कोई सेवा करने वाला नहीं है लेकिन इसके बाद भी उनका ट्रांसफर किया गया है।

जिले के समस्त विकासखण्डों में आयोजित किए जाएंगे रोजगार कैंप

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले में एसआईएस सिक्योरिटी इंडिया लिमिटेड सिंगरौली द्वारा शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से रोजगार कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। ये कैंप जिले के विभिन्न विकासखंडों में आयोजित किए जाएंगे। रोजगार कैंपों का आयोजन वि.ख. माखननगर की जनपद पंचायत में 19 जून 2025 को, वि.ख. सोहागपुर की जनपद पंचायत में 20 जून 2025 को, वि.ख. पिपरिया की जनपद पंचायत में 23 जून 2025 को, वि.ख. बनखेड़ी की जनपद पंचायत में 24 जून 2025 को एवं वि.ख. नर्मदापुरम की जनपद पंचायत में 25 जून 2025 को किया जाएगा।

तेंदुआ के हमले के बाद एसटीआर ने लगाया पिंजरा

गांव में हो रही गश्त, चार कैमरे भी लगाए

नर्मदापुरम, निप्र। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सिंगानामा में 7 साल के बालक की तेंदुआ के हमले से मौत के बाद फॉरेस्ट विभाग अलर्ट हो गया है। एसटीआर ने कटियाढाना रोड पर पीड़ित परिवार के घर के पास पिंजरा लगाया है। उस पिंजरे में बकरी को रखा है, ताकि तेंदुआ आएं और पिंजरे में फंस जाए। इसके अलावा विभाग ने चार कैमरे लगाएं और गश्ती बढ़ा दी है। गांव में मुनादी कराई जा रही। किसी को भी रात में अकेले नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। रात में फॉरेस्ट की टीम सिंगानामा और आसपास के क्षेत्रों में दिन-रात गश्त कर रहे।

8 लाख की सहायता राशि, चौकीदारी पद पर रखेंगे: एसडीओ संजीव शर्मा ने बताया वन्यप्राणी के हमले से मौत मामले में 8 लाख रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। 7 साल के बालक प्रहलाद इरपाचे की मौत के मामले में उसके पिता को 8 लाख रुपए मुआवजा राशि बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी है। साथ ही दैनिक वेतन पर चौकीदार पद पर उसके पिता को नौकरी पर रखेंगे।

आंगन में खेलते समय मारा झपटा, पत्थर मारकर छुड़ाया था: कटियाढाना रोड पर खेत में भगतराम ईरपाचे के परिवार के तीन मकान बने है। रविवार शाम करीब सात बजे प्रहलाद इरपाचे घर के बाहर खेल रहा था। इसी बीच तेंदुए ने बच्चे को पकड़ लिया। चीखने की आवाज सुनकर मां शीला बाई, पिता भगतराम और अन्य परिजन घर से बाहर आए। हिम्मत दिखाकर किसी तरह तेंदुए से बच्चे को छुड़ाया। परिजन बच्चे को लेकर नजदीकी मटकुली गांव पहुंचे। यहां से डिप्टी रेंजर पंकज यादव की टीम ने प्रहलाद को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉ. देवेंद्र ठाकुर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पिपरिया अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार गांव में हुआ था।

कांग्रेस के जिला/नगर अध्यक्ष के लिए रायशुमारी, केंद्रीय पर्यवेक्षक बोले

अध्यक्ष के चयन के लिए आर्थिक आधार जरूरी नहीं

नर्मदापुरम, निप्र। राहुल गांधी के संगठन सृजन अभियान के साथ ही कांग्रेस में नए जिला और शहर अध्यक्ष की तैयारी तेज हो गई है। नर्मदापुरम में बुधवार को इसको लेकर रायशुमारी हुई।

केंद्रीय पर्यवेक्षक डॉ. अजाय कुमार, जिला प्रभारी अवधेश सिसोदिया और भूपेंद्र मोहासा ने प्रेस वार्ता कर चयन प्रक्रिया की जानकारी दी।

इन बिंदुओं पर होगा अध्यक्ष का चयन: डॉ. अजाय कुमार ने कहा, अध्यक्ष के चयन में आर्थिक आधार महत्वपूर्ण नहीं है। उसमें नेतृत्व करने की क्षमता, संगठन के लिए सक्रियता, सभी वर्गों का विश्वास और गुटों में समन्वय बनाने की योग्यता होनी चाहिए। साथ ही

नए लोगों को जोड़ने और संगठन के लिए समय देने की इच्छा होनी चाहिए।

कई दावेदारों ने दिए आवेदन: प्रेस वार्ता के बाद वाटिका होटल में दोपहर से बैठक हुई। इसमें कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। कई कार्यकर्ताओं ने अध्यक्ष पद के लिए आवेदन भी दिए। सूत्रों के अनुसार कुछ नए चेहरे भी दावेदारी में सामने आए हैं। पर्यवेक्षक सभी दावेदारों को गंभीरता से परख रहे हैं।

इटारसी में भी हुई रायशुमारी: शाम को इटारसी में भी इसी को लेकर बैठक और रायशुमारी हुई। संभावना है कि जुलाई में नर्मदापुरम को नया कांग्रेस जिला और शहर अध्यक्ष मिल सकता है।

विधायक की अनुशंसा पर 03 निर्माण कार्य हेतु 06 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम, निप्र। विधायक पिपरिया की अनुशंसा पर कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा 03 निर्माण कार्यो के लिए 06 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय नर्मदापुरम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक पिपरिया ठाकुर दास नागवंशी की अनुशंसा पर ग्राम पंचायत तिंदवाडा के ग्राम तिंदवाडा में गांव से माता मंदिर की ओर सी.सी. रोड निर्माण के लिए 03 लाख रूपये, जनपद पंचायत बनखेडी ग्राम पंचायत मुर्गीढाना के ग्राम मुर्गीढाना में रमखिडिया टोला में सार्वजनिक चबूतरा एवं छत निर्माण के लिए 2 लाख 50 हजार रूपये तथा ज.पं. बनखेडी ग्राम पंचायत जूनावानी ढाना के ग्राम देवरी में जगदीश के घर के पास चबूतरा निर्माण के लिए 50 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

कृषि भूमि पर नहीं होगा निर्माण

अवैध कॉलोनी को लेकर सरकार सख्त, होगी एफआईआर, बैंक खाते होंगे सीज

नर्मदापुरम, निप्र। सरकार अवैध कॉलोनी को लेकर सख्त हो गई है और नए नियम बनाए गए हैं। यदि कॉलोनाइजर गैरकानूनी तरीके से और कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी कटेगा तो उस पर केस दर्ज करवाया जाएगा साथ ही उसके खाते भी सीज किए जाएंगे। वहीं कॉलोनाइजर की संपत्ति जब्त की जाएगी। सरकार ने मप्र नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों को और सख्त करने की तैयारी कर ली है। 1998 से नियमों में यह प्रावधान है कि कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त किसी भी अवैध कॉलोनी के निर्माण पर कॉलोनाइजर को जेल भेज सकते हैं। सीधे गिरफ्तारी का अधिकार है। अब सरकार नियमों को प्रभावी और सख्त बनाकर अंकुश लगाएगी। नए प्रस्ताव के अनुसार किसी कॉलोनाइजर ने कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी नहीं काटेगी। ऐसी कॉलोनी को सरकार अपने हैंडओवर करेगी। ऐसी कॉलोनियों का सर्वे करवाया जा रहा है। जब तक सर्वे पूर्ण नहीं होता, तब तक उन कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक होगी।

सरकार का उद्देश्य है कि अवैध निर्माण को रोका जाए: 31 दिसंबर 2016 तक बनी कॉलोनियों को वैध करने का प्रावधान है । वर्तमान में यह संशोधित नियम लागू है, जिसमें यह भी तय किया गया कि एलआईजी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के रहवासियों से कोई विकास शुल्क नहीं लिया जाएगा। प्रदेश में वर्तमान समय में तीन हजार से अधिक अवैध कॉलोनियां हैं। इनमें अधिकांश नगर निगम और नगर निकाय की सीमा से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। सरकार का उद्देश्य अवैध निर्माण को पूरी तरह से रोकना है।

सशक्त वाहिनी अभियान अंतर्गत आवेदन आमंत्रित

नर्मदापुरम। मिशन शक्ति अंतर्गत बालिकाओ एवं महिलाओ के सशक्तिकरण के लिए सशक्त वाहिनी अभियान के तहत युवतियों और बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं, विशेषकर पुलिस भर्ती में चयन के लिए नि:शुल्क मार्गदर्शन, अध्ययन और शारीरिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। तत्संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नर्मदापुरम ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए आवेदन 19 जून 2025 से 30 जून 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक प्रतिभागी कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास, कलेक्ट्रेट परिसर, नर्मदापुरम और वन स्टॉप सेंटर में आवेदन जमा कर सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी जिनकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं कक्षा 12वीं उत्तीर्ण हो कार्यालयीन समय प्रात: 10:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक उपस्थित होकर आवेदन कर सकते है।

पिपरिया में मनरेगा के कामों का सोशल ऑडिट

ग्राम पंचायतों की विशेष ग्राम सभा में विकास कार्यों की जानकारी साझा की

पिपरिया, निप्र। पिपरिया में डापका, बमोरी कलां और समनापुर ग्राम पंचायत में बुधवार को सोशल ऑडिट के बाद विशेष ग्राम सभा हुई। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत वित्तीय वर्ष में किए गए कामों का भौतिक, मौखिक और दस्तावेजी सत्यापन ऑडिट दल ने किया।

टीम ने विकास निर्माण कार्यों का भौतिक सत्यापन कर लागत की सूची सार्वजनिक की। मनरेगा के तहत मजदूरी भुगतान की सूची भी ग्राम सभा में साझा की गई।

ग्राम सभा में शिक्षक दुर्गेश कुशवाहा, सरपंच छोटी बाई, किरण बाई, विनीता ऊईके, सचिव गीता जवारिया, छोटेलाल पटेल, शिव प्रसाद धुर्वे और ग्राम रोजगार सहायक रामसेवक रघुवंशी, मुकेश पठारिया, धनराज मेहरा सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने विकास कार्यों का अवलोकन कर भविष्य के निर्माण कार्यों पर अपने सुझाव दिए।

रोगी कल्याण समिति की बैठक आज

नर्मदापुरम। कलेक्टर एवं अध्यक्ष रोगी कल्याण (कार्यकारिणी) समिति सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में 19 जून 2025 को सायं 04:00 बजे से रोगी कल्याण (कार्यकारिणी) समिति बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। सभी संबंधित अधिकारियों को उक्त बैठक में अद्यतन जानकारी सहित मौजूद रहने के निर्देश दिए गए है। पूर्व में उक्त बैठक 18 जून 2025 को आयोजित की गई थी, जिसे अपिहार्य कारण से स्थगित कर 19 जून 2025 गुरूवार को सायं 04:00 बजे से आयोजित की गई है।

खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग

अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

नर्मदापुरम, निप्र। कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अवैध उत्खनन / परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग द्वारा 09 जून 2025 को ग्राम-कवेली, तह0-इटारसी से 01 ट्रेक्टर ट्राली एवं 14 जून 2025 को ग्राम-धरमकुण्डी, तह0-सिवनीमालवा से 01 ट्रेक्टर ट्राली को रेत का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना की अभिरक्षा में रखा गया है।

राजस्व विभाग द्वारा 16 जून 2025 को तहसील सिवनीमालवा अन्तर्गत दमाड़िया हरदा नर्मदापुरम बायपास रोड़ से 01 डम्पर क्रमांक-एम.पी.04एच.ई.3888 को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए एवं 01 डम्पर को रेत का ओवरलोड परिवहन करते हुए जप्त कर सुरक्षार्थ पुलिस थाने में खड़ा कराया गया है। उक्त कार्यवाही में श्रीमती सरोज सिंह परिहार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनीमालवा, पिंकी चौहान खनि निरीक्षक नर्मदापुरम एवं होमगार्ड बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

सीएमओ और विधायक प्रतिनिधि ने किया मीनाक्षी चौक का निरीक्षण

विवेकानंद घाट वाली सड़क किनारे रखे टपों को हटाया जाएगा

नर्मदापुरम/ अभी हाल ही में मीनाक्षी चौक के सौंदर्यीकरण और चौड़ीकरण कार्य का लोकार्पण हुआ था। वहीं विवेकानंद घाट वाली सड़क किनारे रखे टपों को हटाकर खाली स्थान पर रखे जाएंगे। नगरपालिका की टीम द्वारा उन्हें वहां से हटाने के लिए दो दिनों का समय दिया गया है। दो दिनों के अंदर टप वहां से नहीं हटे तो नगरपालिका द्वारा सख्ती से हटा दिए जाएंगे। जल विभाग की दो बिल्डिंग को डिस्टमेंटल कर बनाई गई जगह पर व्यवस्थित रूप से विवेकानंद घाट की तरफ सड़क किनारे के टपों को हटाकर रखवाए जाएंगे। बुधवार को मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले और विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव द्वारा निरीक्षण किया गया।

अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि मीनाक्षी चौक पर बिल्डिंग

डिस्टमेंटल होने के बाद निकली जगह पर टप मालिक अपनी मनमर्जी से बड़े बड़े टप रख रहे थे। जानकारी मिलते ही मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती पटले पहुंची और उन्होंने अवैध रूप से रखे टपों को हटाने के तत्काल निर्देश दिए।

एक ही साइज के रखाएंगे टप

मीनाक्षी चौक का अभी हाल ही में चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण हमारे जनप्रतिनिधिगणों द्वारा किया गया था। उसे और अधिक सुंदर बनाने के लिए व्यवस्थाएं बनाई जा रही है। विवेकानंद घाट वाली सड़क के किनारे रखे टपों को खाली जगह पर स्थानांतरण करने निर्देश दिए गए हैं। साथ ही बिजली और ट्रेफिक सिग्नल के खंबे हटाए जा रहे हैं। जल्द ही उक्त कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

नीतू महेंद्र यादव
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद
नर्मदापुरम

इस दौरान विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव द्वारा भी टप रखने के स्थान का निरीक्षण किया गया और समझाइश दी गई। मीनाक्षी चौक सुंदर और सुव्यवस्थित दिखे।

विधायक की अनुशंसा पर 15 हितग्राहियों को

01 लाख 72 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी

नर्मदापुरम, निप्र। विधायक नर्मदापुरम की अनुशंसा पर कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा विधायक स्वेच्छानुदान निधि से 15 हितग्राहियों को चिकित्सा, शिक्षा एवं आर्थिक सहायता के लिए 01 लाख 72 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय नर्मदापुरम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा की अनुशंसा पर नर्मदापुरम के 04 हितग्राही श्रीमति प्रीति मेवारी वार्ड क्र. 16 गिन्नी कम्पाउंड नर्मदापुरम, श्री सुखराम मेवारी वार्ड क्र. 16 गिन्नी कम्पाउंड नर्मदापुरम, श्रीमति सोनम राजपूत वार्ड क्र. 02 सुभाष चौक नर्मदापुरम एवं जतिन यादव रायपुर रोड मालाखेडी नर्मदापुरम को क्रमश: 20-20 हजार रूपये, नर्मदापुरम एवं इटारसी के 02 हितग्राही श्री कमल सिंह ठाकुर वार्ड क्र. 19 आनंद नगर नर्मदापुरम एवं कु. मुस्कान सोनी वर्मा कालोनी पुरानी इटारसी को 15-15 हजार रूपये, नर्मदापुरम की 01 हितग्राही श्रीमती सीमा शर्मा मारूती नगर रसूलिया नर्मदापुरम को 12 हजार रूपये, नर्मदापुरम के 02 हितग्राही श्री तनुज वाला वार्ड क्र. 31 ग्वालटोली नर्मदापुरम एवं श्री दिलीप यादव ग्राम बुधवाडा जिला नर्मदापुरम को 10-10 हजार रूपये तथा नर्मदापुरम के 06 हितग्राही श्रीमति सनुति यादव वार्ड क्र. 10 मालाखेडी नर्मदापुरम, श्रीमति नीता यादव वार्ड क्र. 10 मालाखेडी नर्मदापुरम, श्रीमति सावित्री बाई यादव वार्ड क्र. 10 मालाखेडी नर्मदापुरम, श्रीमति कृष्णा यादव वार्ड क्र. 10 मालाखेडी नर्मदापुरम, श्रीमति मनु कुसरिया वार्ड क्र. 10 मालाखेडी नर्मदापुरम एवं श्रीमति कृष्णा बाई वार्ड क्र. 26 कोरी मोहल्ला नर्मदापुरम को 05-05 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण की जाए - कमिश्नर

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी ने कहा कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संभाग के तीनों जिलों में जिला मुख्यालय सहित विकासखंड स्तर पर योग अभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दिन सभी शैक्षणिक संस्थाओं, महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं जनप्रतिनिधि गण, प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारी तथा गणमान्य नागरिक सामूहिक रूप से योग करेंगे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा भोपाल- 462023 (म.प्र.) भोपाल से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9981502276, 27054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. स्थानीय व्यवस्थापक श्याम अग्रवाल मो. नं. 9826735596 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।